Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवन्बद में प्रसारित

दैनिक गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्षः 07 अंकः 75 | शुक्रवार, 20 मार्च-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

चुप रहना कायरता नहीं, कूटनीति हैः शशि थरूर

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय राजनीति के दिग्गज और पूर्व राजनयिक शशि थरूर ने एक बार फिर अपनी बेबाक राय से सबको चौंका दिया है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी भीषण संघर्ष पर जहाँ कांग्रेस नेतृत्व केंद्र सरकार की 'चुप्पी' को नैतिक हार बता रहा है, वहीं थरूर ने इसे भारत की 'जिम्मेदार कूटनीति' करार दिया है।

राष्ट्रीय हित बनाम नैतिक दिखावा

'इंडियन एक्सप्रेस' में लिखे अपने लेख में थरूर ने तर्क दिया कि विदेश नीति सिद्धांतों के अकादमिक सेमिनार जैसी नहीं होती। उन्होंने माना कि इजरायल और अमेरिका की कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हो सकती है, लेकिन भारत का संयम किसी डर का नहीं बल्कि रणनीतिक समझदारी का परिचायक है। थरूर ने लिखाः 'इस संदर्भ में, चुप रहना कायरता नहीं है। यह हमारे राष्ट्रीय हितों और क्षेत्र की वास्तविकताओं के बीच संतुलन को समझने का नतीजा है। सिर्फ दिखावा करने से हमारे हित पूरे नहीं होंगे।' उनका यह रुख उनकी पार्टी के रुख से बिल्कुल अलग था।

पिछले महीने जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले किए, जिसमें कई आम नागरिक और अयातुल्ला अली खामेनेई जैसे बड़े नेता मारे गए, तो कांग्रेस ने सरकार की आलोचना की। कांग्रेस का कहना था कि सरकार ने इस युद्ध की सीधे तौर पर निंदा क्यों नहीं की। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि एकतरफा सैन्य कार्रवाई की निंदा करने के मामले में भारत का रुख 'नैतिक रूप से स्पष्ट' होना चाहिए। वहीं, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने खामेनेई की हत्या पर सरकार की चुप्पी को 'तटस्थ रुख नहीं, बल्कि अपनी ज़िम्मेदारी से भागना' बताया। कांग्रेस के इस वरिष्ठ नेता ने उन तथाकथित उदारवादियों पर निशाना साधा, जो सरकार पर नैतिक कायरता का आरोप लगाते हैं और कार्रवाई की मांग करते हैं, जबकि उनका खुद इस मामले से कोई सीधा लेना-देना नहीं होता।

उदारवादियों और नैतिक दिखावे पर

खुद थरूर ने भी माना कि खामेनेई की हत्या पर देर से संवेदनाएं भेजकर भारत ने अपनी प्रतिक्रिया देने में थोड़ी चूक की। हालांकि, उन्होंने यह भी तर्क दिया कि टकराव के बजाय चुप रहने का विकल्प चुनने के लिए सरकार को दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने लिखा, 'भारत की चुप्पी का मतलब यह नहीं है कि वह इस युद्ध का समर्थन करता है।' 'इसका मतलब यह है कि हमारे राष्ट्रीय हितों को पूरा करने के लिए समझदारी की जरूरत है, न कि सिर्फ दिखावे की।'

स्वदेशी ड्रोन निर्माण का वैश्विक केंद्र बनने के लिए मिशन मोड में काम करे भारतः राजनाथ सिंह

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत को मौजूदा भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं को देखते हुए रणनीतिक स्वायत्तता सुनिश्चित करने, रक्षा तैयारी को सुदृढ़ करने तथा देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वदेशी ड्रोन निर्माण का वैश्विक केंद्र बनने के मिशन मोड में कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नई प्रौद्योगिकियों को अपनाना आवश्यक है। श्री सिंह ने रक्षा उत्पादन विभाग द्वारा आयोजित दो दिन के राष्ट्रीय रक्षा उद्योग सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में गुरुवार को 'उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकियां' विषय पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों, नव-उद्यमों, रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार विजेताओं, रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों, निजी रक्षा कंपनियों, नवोन्मेषकों, नीति निमार्ताओं और शिक्षाविदों को संबोधित किया। उन्होंने वर्तमान भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं को देखते हुए रणनीतिक स्वायत्तता सुनिश्चित करने, रक्षा तैयारी को सुदृढ़ करने तथा देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ड्रोन उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर ईरान और इजराइल के बीच तनाव तक चल रहे संघर्ष इस बात के प्रमाण हैं कि भविष्य के युद्धों में ड्रोन और प्रतिरोधी ड्रोन प्रौद्योगिकियां महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी, और ड्रोन निर्माण में आत्मनिर्भरता केवल उत्पाद स्तर पर ही नहीं बल्कि कलपुर्जे के स्तर पर भी आवश्यक है। उन्होंने कहा, 'ड्रोन के ढांचों से लेकर उसके सॉफ्टवेयर, इंजन और बैटरियों तक, सब कुछ भारत में ही निर्मित होना चाहिए। यह कोई आसान कार्य नहीं है। अधिकांश देशों में जहां ड्रोन बनाए जाते हैं, वहां अनेक महत्वपूर्ण कलपुर्जे वर्तमान में चीन से आयात किए जाते हैं।'

दिल्ली-एनसीआर में मौसम हुआ तूफानी; आईएमडी ने ऑरेंज अलर्ट किया जारी

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में गुरुवार को बादल छाए हुए हैं और तापमान लगभग 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है।

इससे पहले धूल भरी आंधी, गरज, बिजली और बारिश के कारण लोगों को गर्मी से राहत मिली है। मौसम विज्ञान विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बारिश और तेज हवाओं ने दिल्ली–एनसीआर में जनजीवन को बाधित किया है और बिजली नेटवर्क को भी प्रभावित किया है। शुक्रवार तक मौसम की ऐसी ही स्थिति बने रहने का अनुमान है। बुधवार शाम खराब मौसम के कारण इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से कम से कम 16 उड़ानों को अन्य शहरों की ओर मोड़ दिया गया। स्थानीय लोगों को घर में रहने और खिड़कियों, बिजली के खंभों और बिजली की तारों के पास खड़े होने से बचने की सलाह दी गई है।

'मेरे 4.5 लाख दो!' चिल्लाते हुए बीजेपी दफ्तर पहुंची महिला, नेता पर बरसाए थप्पड़

वेलकम इंडिया नेटवर्क

महाराजगंज। उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले में भाजपा कार्यालय में बुधवार को आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक महिला ने कार्यालय में घुसकर पार्टी पदाधिकारी पर लाखों की धोखाधड़ी का आरोप लगाया और पार्टी कार्यकताओं के सामने उस पर हमला कर दिया।

अभिनंदन कार्यक्रम के दौरान अफरा-तफरी

यह घटना भाजपा कार्यालय में घटी, जहां मनोनीत पार्षदों और पार्टी पदाधिकारियों को बधाई देने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम शुरू ही हुआ था कि महिला परिसर में घुस आई और कथित वित्तीय विवाद को लेकर पार्टी पदाधिकारी से भिड़ गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उसने नेता को थप्पड़ मारा और उसे कॉलर पकड़कर बाहर खींचने की कोशिश की, जिससे कार्यक्रम स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। वहां मौजूद दर्जनों लोग बीच-बचाव करने के लिए दौड़े, लेकिन स्थिति जल्दी ही एक हिंसक झड़प में बदल गई। महिला ने आरोप लगाया कि उसने एलआईसी जमा के नाम पर लगभग 4.5 लाख रुपये जमा किए थे, लेकिन आरोपी ने पैसे जमा नहीं किए और इसके बजाय उनका गबन कर लिया। वह लंबे समय से अपने पैसे वापस मांग रही थी और बुधवार को वह अपने बेटे के साथ कार्यक्रम में पहुंची।

विधानसभा चुनावों पर सीईसी ज्ञानेश कुमार का वोटर्स को संदेश, बिना डर और पक्षपात के करें वोट

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी राज्यों में विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ, चुनाव आयोग आगामी चुनाव प्रक्रिया को स्वतंत्र भारत के इतिहास में अब तक का सबसे पारदर्शी चुनाव बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। एक निजी मीडिया समूह से बात करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा भारत निर्वाचन आयोग किसी भी मतदाता के प्रति किसी भी प्रकार की हिंसा, धमकी या प्रलोभन के प्रति बिल्कुल भी सहनशील नहीं है। विपक्षी दलों द्वारा उन पर और आयोग पर की गई आलोचना से बेपरवाह, मुख्य चुनाव आयुक्त ने इस विषय पर और कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेतृत्व ने आयोग और विशेष रूप से मुख्य चुनाव आयुक्त को निशाना बनाया है, लेकिन चुनाव निकाय अप्रैल में होने वाले विधानसभा चुनावों को पूरी तरह से निष्पक्ष, पारदर्शी और कानून के अनुसार कराने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि मतदाता बिना किसी भय या पक्षपात के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

हालांकि आगामी चुनावों में चुनाव आयोग का किसी भी पार्टी के प्रति कोई विशेष झुकाव नहीं है, फिर भी उसने राज्य प्रशासनों में भ्रष्ट या पक्षपाती अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करके सभी राजनीतिक दलों को निष्पक्ष अवसर प्रदान करने का प्रयास किया है। चुनाव आयोग ने संविधान के अनुसार चुनाव सुनिश्चित करने के लिए मतदान वाले राज्यों में 1,111 केंद्रीय पर्यवेक्षकों को तैनात किया है और पुलिस अधीक्षक, जिला मजिस्ट्रेट, जिला निर्वाचन अधिकारी, रेंज अधिकारी से लेकर पुलिस महानिदेशक, गृह सचिव और यहां तक कि मुख्य सचिव तक के अधिकारियों का तबादला करने का आदेश दिया है ताकि चुनावों में निष्पक्षता सुनिश्चित हो सके।

चुनाव वाले सभी राज्यों, विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में, चुनाव आयोग ने अधिकारियों के तबादले का आदेश दिया क्योंकि उसने पाया कि सत्ता में बैठे अधिकारी सत्तारूढ़ दल के प्रति राजनीतिक रूप से झुकाव रखते थे, जबकि अपना कर्तव्य निभाने वालों को तत्कालीन सरकार द्वारा दंडित किया जा रहा था।

एक पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि पिछले विधानसभा चुनावों में कुछ अधिकारियों को केवल कानून के अनुसार अपना कर्तव्य निभाने के लिए दंडित किया गया, जबकि अन्य जो सत्ताधारी शासन के पक्ष में थे, उन्हें आकर्षक पद और शक्ति प्राप्त हुई।

विशेष श्रृंखलाः बैंकों की 'रिश्वतखोरी' और 'ताजा लूट' (सीरीज-3)

सेटलमेंट का 'महा-घोटाला', आम आदमी की कुर्की, अमीरों की 'माफी', क्या यही है बैंकों का 'नया न्याय'?

जनता की जीत, सिस्टम में मची खलबली!

ललित कुमार शर्मा

आंकड़ों की जुबानी, सरकारी बनाम प्राइवेट बैंक

विवरण	सरकारी बैंक (PSB)	प्राइवेट बैंक (PVT)
कुल 'राइट-ऑफ'(पिछले 10 साल)	₹10.5 लाख करोड़+	लगभग ₹3.2 लाख करोड़
भगोड़े कारोबारियों का हिस्सा	85% से ज्यादा कर्ज सरकारी बैंकों का।	केवल 15% हिस्सा प्राइवेट बैंकों का।
रिकवरी दर (NCLT के जरिए)	मात्र 25-30% (70% घाटा)	45-50% (सख्त कोलेटरल नीति)

डेटा सोर्सः RBI और सरकारी बैंकिंग रिपोर्ट (2011-2024)

बड़े बैंक घोटाले में कब और कितने का चूना

- साल 2018- PNB-नीरव मोदीः ₹14,000 करोड़ (सरकारी बैंक की ढिलाई का सबसे बड़ा उदाहरण)
- साल 2022- ABG शिपयार्डः ₹22,842 करोड़ (SBI और ICICI समेत 28 बैंकों को चूना)
- साल 2022- DHFL महा-घोटालाः ₹34,615 करोड़ (देश का सबसे बड़ा बैंकिंग फ्रॉड)
- साल 2024 (हालिया): कई छोटे को-ऑपरेटिव बैंकों में करोड़ों की हेराफेरी।

सरकार और सिस्टम पर वार

- चुप्पी क्यों?- जब बैंक डूबते हैं, तो सरकार जनता का पैसा देकर उन्हें बचाती है, लेकिन भ्रष्ट मैनेजरों को जेल क्यों नहीं भेजती?
- ऑडिट का फ्रॉड- बैंक अपने 'खास' ऑडिटर्स से रिपोर्ट बनवाते हैं ताकि घोटाले दबे रहें।
- MSME की बलि- छोटे उद्योगों को पैसा नहीं मिलता, इसीलिए बेरोजगारी बढ़ रही है।

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। हमारी इस सीरीज के पहले दो दिनों ने यूपी के बैंकिंग गलियारों में हड़कंप मचा दिया है।

कई शाखाओं में कल 'साहब' समय पर कुर्सी पर मिले और बदसलूकी में कमी आई। लेकिन लड़ाई अभी लंबी है। आज हम उस 'तिजोरी' का ताला खोल रहे हैं, जहां बड़े डिफॉल्टरों के साथ मिलकर आपकी जमा पूंजी का 'सौदा' किया जाता है।

बड़े मगरमच्छों के लिए 'सेटलमेंट' की मखमली राह

सरकारी बैंकों में 'राइट-ऑफ' और 'सेटलमेंट' यानी डळर के नाम पर जो चल रहा है, वह किसी डकैती से कम नहीं है नेक्सस को समझिए- जब कोई बड़ा उद्योगपति हजारों करोड़ डकार जाता है, तो बैंक के बड़े अधिकारी और 'सेटलमेंट एजेंट' सक्रिय हो जाते हैं। नियम कहता है कि वसूली के लिए संपत्ति जब्त हो, लेकिन खेल 'अंडर द टेबल' (रिश्वत) का होता है।

डील का गणित- 100 करोड़ का लोन, 30 करोड़ में सेटलमेंट और 10 करोड़ की 'कमीशन' भ्रष्ट अधिकारियों की जेब में चला जाता है, बाकी का 60 करोड़ जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा 'बट्टे खाते'में डाल दिया जाता है।

मतलब वह देश की जनता के टैक्स के पैसे से 'री-कैपिटलाइजेशन' के नाम पर भर दिया जाता है।

आम आदमी का 'उत्पीड़न', 2 किस्त टूटी तो अपराधी बना दिया

एक तरफ विजय माल्या और नीरव मोदी जैसे लोग हैं, दूसरी तरफ वो छोटा व्यापारी या किसान है जिसकी 2 किस्तें यानी एटक की वजह से नहीं भर पाए तो, बैंक के गुंडे यानी रिकवरी एजेंट दरवाजे पर दस्तक देने लगते हैं।

आम आदमी को सेटलमेंट का विकल्प नहीं दिया जाता, बल्कि उसे डराया जाता है।

उसके नाम का पोस्टर बैंक के बाहर लगा दिया जाता है, अब सवाल ये है कि जो बैंक हजारों करोड़ के डिफॉल्टरों के साथ 'डिनर' करते हैं, वो एक आम आदमी के 5 लाख के लोन के लिए उसके घर की नीलामी करने में एक पल की देरी क्यों नहीं करते? सरकारी बैंकों की उदारता का फायदा उठाकर कई बड़े कारोबारी देश छोड़ गए, फ्ङक और सरकारी बैंकिंग रिपोर्ट के मुताबिक 2011 से 2024 की स्थिति के बारे में बात करें तो।

'हवाई' हुए कारोबारी, भारत छोड़ भागे 38 बड़े खिलाड़ी

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले कुछ सालों में 38 बड़े कारोबारी देश छोड़कर भाग गए हैं, जिन पर बैंकों का 40,000 करोड़ से ज्यादा बकाया है, इसमें मुख्य नामों का जिक्र करें तो सबसे पहले विजय माल्या (किंगफिशर), नीरव मोदी, मेहुल चोकसी, नितिन संदेसरा (स्टर्लिंग बायोटेक), जतिन मेहता (विनसम डायमंड्स) के हैं, इन लोगों को लोन देने वाले अधिकांश बैंक 'सरकारी' थे।

क्या यह संभव है कि बिना बैंक अधिकारियों की मिलीभगत के इतनी बड़ी राशि डकार कर कोई विदेश भाग जाए?

सरकारी बैंकों से 'मोहभंग', क्यों प्राइवेट बैंक हैं पहली पसंद?

आज आम आदमी सरकारी बैंक के 'धक्कों' से तंग आकर प्राइवेट बैंकों की ऊंची ब्याज दरों को भी सहने को तैयार है, प्राइवेट की सर्विस इतनी अच्छी है कि यहां सरकारी बैंक की तरह 'लंच टाइम' का बहाना नहीं चलता।

अगर आप 5 लाख का लोन मांगेंगे, तो बैंक का कर्मचारी 5 बार आपके दफ्तर आएगा, वहीं सरकारी बैंक में सरकार की टरटए और कोलेटरल फ्री लोन योजनाओं को मैनेजर अपनी 'जागीर' समझता है, बिना 2-3% की रिश्वत के फाइल आगे नहीं बढ़ती।

संपादकीय अपील- भ्रष्ट बैंक अधिकारियों के खिलाफ यह जंग अब आपकी है। यदि आपके साथ भी 'सेटलमेंट' या 'लोन' के नाम पर खेल हुआ है, तो हमें साक्ष्यों के साथ ईमेल करें।

संपादक की कलम से

सब्सिडी वाला प्यार

कानपुर के उस कटीले और कुतूहलपूर्ण कूचे में, जहाँ काकादेव के कयासों और किदवई नगर की किंवदंतियों का संगम होता है, फेसबुक के फरेबी फलक पर एक ऐसा 'मायावी मुसाफिर' अवतरित हुआ जिसने सॉफ्टवेयर इंजीनियर होने का साक्षात स्वांग रचा। इस 'हवाबाज हुनरमंद' ने पहले अपनी चिकनी-चुपड़ी बातों की चाशनी से एक भोली-भाली कन्या के हृदय में सेंध लगाई। उसने बड़ी नफासत से कहा- 'सुनो, मुझे ये सार्वजनिक जगहों की भीड़भाड़ और शोर-शराबा कतई पसंद नहीं, मैं तो तुम्हारे घर की गरिमापूर्ण दहलीज पर ही अपनी शराफत का सार्टिफिकेट देना चाहता हूँ।' यानी शिकार ने खुद ही शिकारी के लिए अपने घर का मुख्य द्वार खोल दिया और उसे 'संस्कारी दामाद' की श्रेणी में पहले ही रख दिया। दोपहर की उस दग्ध और तपती दुपहरी में, जब कानपुर के कर्मठ नागरिक कचौड़ी-रायता चापकर खर्राटों की खेती कर रहे थे, यह 'पढ़ाई-लिखाई का ढोंगी' अपनी साख और एक संदिग्ध बोरा संभालकर रंगमंच पर हाजिर हुआ। घर में घोर सन्नाटा था और मौका एकदम मनचाहा। उसने अपनी जुबान की जादूगरी से जो मायाजाल बुना, उसमें लड़की का विवेक ऐसा उलझा कि उसे सामने खड़ा ठग कोई 'अवतारी पुरुष' लगने लगा। तभी उस धूर्त ने अपनी जेब से वह 'नशीली निलांजली' यानी एक रहस्यमयी चॉकलेट निकाली। लड़की ने पूछा- 'यह क्या है?' उस 'सफेदपोश जालसाज' ने गंभीरता से कहा- 'यह बड़े शहरों का विशेष प्रसाद है, इसे चखते ही जीवन की सारी परेशानियाँ और तनाव गायब हो जाएंगे।' जैसे ही उसने उस 'मीठे कुचक्र' का रसास्वादन किया, उसकी पलकें पस्त होने लगीं और वह सोफे पर इस तरह ढेर हुई जैसे भारी भरकम टैक्स लगने के बाद मिडिल क्लास की उम्मीदें धड़ाम से गिरती हैं। अब हमारे इस 'बहरूपिये बाजीगर' ने अपनी असलियत का आईना दिखाया और सीधे अंदरूनी कमरों की ओर कूच किया। अमूमन ऐसे खूंखार अपराधी तिजोरियों के ताले तोड़ते हैं, पुश्तैनी गहनों की पोटली बांधते हैं या अलमारी में रखे नगद नारायण पर हाथ साफ करते हैं। पर इस विचित्र विलेन का विजन तो कुछ और ही था। उसने कीमती आभूषणों की चकाचौंध को ऐसे ठुकराया जैसे कोई डायटिंग करने वाला रसगुल्ले को दुत्कारता है। वह किसी गुप्त खजाने की तलाश में ऐसी जगह घुसा जहाँ अमूमन मेहमानों का प्रवेश वर्जित होता है। उसके चेहरे पर पसीना और आंखों में एक अजीब सी चमक थी, मानो वो दुनिया की सबसे बेशकीमती वस्तु को हासिल करने के करीब हो। उसने अपने झोले से कुछ औजार निकाले और किसी कुशल कारीगर की तरह बड़ी फुर्ती से अपने 'मिशन' को अंजाम देने लगा। उसके लिए उस क्षण उस घर की सबसे बड़ी 'संपत्ति' वही थी जिसे वह अपने कंधे पर लादने की तैयारी कर रहा था। वह रहस्यमयी लुटेरा जिस सरगर्मी से गलियों से ओझल हुआ, उसे देखकर यमराज भी अपनी भैंस की रफ्तार पर शर्मिंदा हो जाते। मोहल्ले वाले उसे भारी बोझ के साथ भागते देख कयास लगाते रहे कि शायद दहेज का सामान वापस जा रहा है या कोई भारी मशीन चोरी हुई है। सस्पेंस का गुब्बारा तब फूटा जब उस तंद्रा-ग्रस्त तरुणी की चेतना लौटी और उसने रसोई के उस सूने सिंहासन को देखा जहाँ उसकी सुबह की चाय का आधार विराजता था। पुलिस स्टेशन में जब रिपोर्ट दर्ज हुई, तो दरोगा ने चश्मा नाक पर टिकाते हुए मुंशी से कहा- 'लिखो मुंशी, शहर में एक ऐसा आशिक आया है जो दिल की जगह चूल्हा ठंडा कर गया।' मुंशी ने तपाक से जवाब दिया- 'हुजूर, ये कलयुग का नया मोड़ है, अब आशिक लैला के घर से खत नहीं, सीधा 'सब्सिडी' और 'सप्लाई' का संगम उड़ा ले जाते हैं।

ललित शर्मा
संपादक

कौन सुने बेबस की पुकार

उदय किशोर साह

कविता

कौन सुने बेबस की जग में पुकार
चारों ओर खड़ा है जहाँ . मक्कार
गरीबों की नसीब में है लिखा दुत्कार
गजब खेल खेलता है जालिम संसार

चारों दिशा से आती चीख पुकार
दौलत की हनक की है ये चमत्कार
शोषण की रंग में रंगा चोरों का विचार
गजब खेल खेलता है जालिम संसार

कुदृष्टि लगाये बैठा घात में है सियार
जाल में फँस जाता कमजोर शिकार
भूल गया बेशर्मी अपना खुद का संस्कार
गजब खेल खेलता है जालिम संसार

दीन दुखिया है जगत में आज लाचार
नहीं है गरीबों से किसी को भी प्यार
चोर उचक्कों पे कैसे करें। एतबार
स्वार्थ की सज चुकी है यहाँ बाजार

बेईमानों की लग गई है ड्योढ़ी पे दरवार
जालसाजी की चल रही जहाँ। व्यापार
कैसे विश्वास करें जिनके हैं कर्म गद्दार
गजब खेल खेलता है जालिम संसार

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

प्रतिभा का सम्मान या संबंधों का विस्तार?

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

देशभर में IAS और IPS जैसी प्रतिष्ठित सेवाओं में चयनित अभ्यर्थियों के सम्मान समारोहों की परंपरा पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। छोटे कस्बों से लेकर महानगरों तक, सामाजिक संस्थाएँ, शैक्षणिक संगठन, राजनीतिक समूह और विभिन्न मंच इन सफल युवाओं को सम्मानित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित करते हैं। भव्य पंडाल, मंच पर सजी कुर्सियाँ, मालाओं और शॉल से सुसज्जित अतिथि, और हर क्षण को कैद करते कैमरे-यह सब मिलकर एक उत्सव जैसा माहौल बनाते हैं। पहली दृष्टि में यह परंपरा अत्यंत सकारात्मक और प्रेरणादायक प्रतीत होती है। आखिरकार, ये वही युवा हैं जिन्होंने वर्षों की कठिन साधना, आत्मसंयम और निरंतर परिश्रम के बल पर देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की है।

ऐसे समारोहों का मूल उद्देश्य समाज में प्रेरणा का संचार करना होना चाहिए-विशेषकर उन युवाओं के बीच, जो अपने सपनों को साकार करने के लिए संघर्षरत हैं। जब कोई छात्र किसी सफल अभ्यर्थी को मंच पर सम्मानित होते देखता है, तो उसके भीतर भी एक उम्मीद जन्म लेती है कि वह भी एक दिन इस मुकाम तक पहुँच सकता है। इस दृष्टि से देखा जाए तो ये कार्यक्रम समाज में सकारात्मक ऊर्जा भरने का माध्यम बन सकते हैं।

किन्तु, इस उजले पक्ष के समानांतर एक ऐसा पहलू भी उभरकर सामने आ रहा है, जिस पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। धीरे-धीरे इन समारोहों का स्वरूप बदलता हुआ प्रतीत हो रहा है। कई स्थानों पर यह सम्मान समारोह केवल 'प्रतिभा का उत्सव' न रहकर 'संबंधों का प्रदर्शन' और 'सामाजिक-राजनीतिक शक्ति का प्रदर्शन' बनते जा रहे हैं। मंच पर जितनी चर्चा चयनित अभ्यर्थियों की होनी चाहिए, उससे कहीं अधिक चर्चा आयोजकों, मुख्य अतिथियों और उनके प्रभाव क्षेत्र की होने लगती है।

यह प्रवृत्ति न केवल इन आयोजनों के मूल उद्देश्य को कमजोर करती है, बल्कि समाज में एक गलत संदेश भी प्रसारित करती है-कि सफलता केवल परिश्रम और योग्यता का परिणाम नहीं, बल्कि संबंधों और पहुँच का भी खेल है। यह धारणा उन लाखों युवाओं के मनोबल को प्रभावित कर सकती है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं।

यहाँ एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है-क्या हम केवल उन लोगों का सम्मान कर रहे हैं जो सफलता की अंतिम सीढ़ी तक पहुँच चुके हैं, या उन लोगों की भी परवाह कर रहे हैं जो उस सीढ़ी पर चढ़ने की कोशिश में संघर्ष कर रहे हैं?

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में आज भी लाखों ऐसे विद्यार्थी हैं, जो प्रतिभा से भरपूर हैं, परंतु संसाधनों की कमी के कारण अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं कर पाते। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे कस्बों में रहने वाले छात्र अनेक प्रकार की चुनौतियों का सामना करते हैं। उनके पास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साधन नहीं होते, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उचित मार्गदर्शन का अभाव होता है, और आर्थिक सीमाएँ उन्हें अपने सपनों से समझौता करने के लिए मजबूर कर देती हैं।

ऐसे छात्र न तो किसी सम्मान समारोह का हिस्सा बन पाते हैं, और न ही उनके संघर्ष की कहानी कहीं सुनाई देती है। वे चुपचाप अपनी परिस्थितियों से जूझते रहते हैं-कभी खेतों में काम करते हुए, कभी छोटे-मोटे रोजगार के साथ पढ़ाई करते हुए, तो कभी बिना किसी कोचिंग या मार्गदर्शन के स्वयं ही रास्ता खोजते हुए। उनके भीतर भी वही जज्बा, वही क्षमता और वही सपने होते हैं, जो किसी चयनित अभ्यर्थी के भीतर होते हैं-फर्क केवल इतना है कि उन्हें अवसर और संसाधन समान रूप से उपलब्ध नहीं हो पाते।

इस संदर्भ में यह आवश्यक हो जाता है कि हम 'सम्मान' की परिभाषा को पुनः परिभाषित करें। क्या सम्मान केवल सफलता का उत्सव है, या वह संघर्ष की पहचान भी है? यदि सम्मान केवल उपलब्धि तक सीमित रह जाता है, तो वह अधूरा है। वास्तविक सम्मान वह है, जो उस यात्रा को भी स्वीकार करे, जो सफलता तक पहुँचने से पहले तय की जाती है-और उन कदमों को भी सराहे, जो अभी उस यात्रा पर हैं।

यदि इन सम्मान समारोहों को वास्तव में सार्थक बनाना है, तो उन्हें केवल औपचारिक आयोजन से आगे बढ़ाकर सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाना होगा। इसके लिए कुछ ठोस पहलें आवश्यक हैं।

सबसे पहले, चयनित अभ्यर्थियों को केवल सम्मानित करने तक सीमित न रखकर उन्हें 'मार्गदर्शक' की भूमिका में स्थापित किया जाना चाहिए। यदि हर चयनित अभ्यर्थी कुछ छात्रों का मार्गदर्शन करने का संकल्प ले, तो यह एक बड़ी सामाजिक शक्ति बन सकती है। उनके अनुभव, उनकी रणनीतियाँ और उनका दृष्टिकोण उन छात्रों के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकते हैं, जो अभी इस यात्रा की शुरूआत कर रहे हैं।

दूसरा, ऐसे आयोजनों के साथ मेंटरशिप प्रोग्राम, निःशुल्क कोचिंग, पुस्तक बैंक और छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं को जोड़ा जाना चाहिए। केवल मंच पर सम्मान देना पर्याप्त नहीं है; आवश्यक यह है कि उस सम्मान को समाज के लिए उपयोगी परिणामों में बदला जाए। यदि एक सम्मान समारोह से दस जरूरतमंद छात्रों को सही दिशा और संसाधन मिल जाएँ, तो उसकी वास्तविक सार्थकता सिद्ध हो सकती है।

तीसरा, आयोजनों में केवल सफल अभ्यर्थियों को ही नहीं, बल्कि संघर्षरत छात्रों को भी स्थान दिया जाना चाहिए। ऐसे छात्रों को मंच पर बुलाकर उनके प्रयासों की सराहना करना, उनकी कहानियाँ साझा करना और उन्हें प्रोत्साहित करना समाज में एक सकारात्मक संदेश देगा-कि प्रयास भी सम्मान के योग्य है, भले ही परिणाम अभी न मिला हो।

चौथा, इन आयोजनों को दिखावे और भव्यता से मुक्त कर सादगी और सार्थकता की ओर ले जाना होगा। अत्यधिक खर्च, अनावश्यक तामझाम और औपचारिक भाषणों के स्थान पर सार्थक संवाद, अनुभवों का आदान-प्रदान और वास्तविक समस्याओं पर चर्चा अधिक प्रभावी हो सकती है।

इसके साथ ही समाज के विभिन्न वर्गों-शिक्षकों, अभिभावकों, सामाजिक संगठनों और प्रशासन-को भी अपनी भूमिका समझनी होगी। केवल सरकार या किसी एक संस्था के भरोसे परिवर्तन संभव नहीं है। यह एक सामूहिक प्रयास होना चाहिए, जिसमें हर व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार योगदान दे।

मीडिया की भूमिका भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। यदि मीडिया केवल भव्य आयोजनों और बड़ी हस्तियों को ही प्रमुखता देता रहेगा, तो संघर्षरत प्रतिभाओं की कहानियाँ सामने नहीं आ पाएँगी। आवश्यकता इस बात की है कि उन अनसुने चेहरों को भी मंच दिया जाए, जो विपरीत परिस्थितियों में भी हार नहीं मानते।

अंततः, यह समझना आवश्यक है कि समाज की वास्तविक शक्ति केवल उसकी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उसकी संवेदनशीलता में निहित होती है। एक ऐसा समाज, जो केवल सफल लोगों का जश्न मनाता है, वह अधूरा है। पूर्ण समाज वह है, जो अपने संघर्षरत सदस्यों को भी पहचानता है, उनका हाथ थामता है और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देता है।

सम्मान का अर्थ केवल तालियों की गूंज नहीं होना चाहिए; वह एक जिम्मेदारी का संकेत भी होना चाहिए-जिम्मेदारी उस समाज के प्रति, जिसने हमें आगे बढ़ने का अवसर दिया। यदि सम्मान समारोह इस जिम्मेदारी को समझने और निभाने का माध्यम बन जाएँ, तो वे वास्तव में परिवर्तनकारी हो सकते हैं।

अन्यथा, वे केवल एक औपचारिकता बनकर रह जाएँगे-जहाँ मंच तो सजेगा, तालियाँ भी बजेंगी, लेकिन असली बदलाव कहीं पीछे छूट जाएगा।

इसलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि हम स्वयं से यह प्रश्न पूछें-क्या हम केवल सफलता का उत्सव मना रहे हैं, या एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं जहाँ हर प्रतिभा को अवसर मिल सके?

जब तक इस प्रश्न का उत्तर ईमानदारी से नहीं दिया जाएगा, तब तक 'प्रतिभा सम्मान' और 'संबंध प्रदर्शन' के बीच की रेखा धुंधली बनी रहेगी।

और शायद तब तक, असली प्रतिभाएँ अपने अवसर का इंतजार करती रहेंगी-बिना किसी मंच, बिना किसी सम्मान, लेकिन पूरे आत्मविश्वास और संघर्ष के साथ।

अपने ही क्यों बन जाते हैं दर्द की वजह?

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

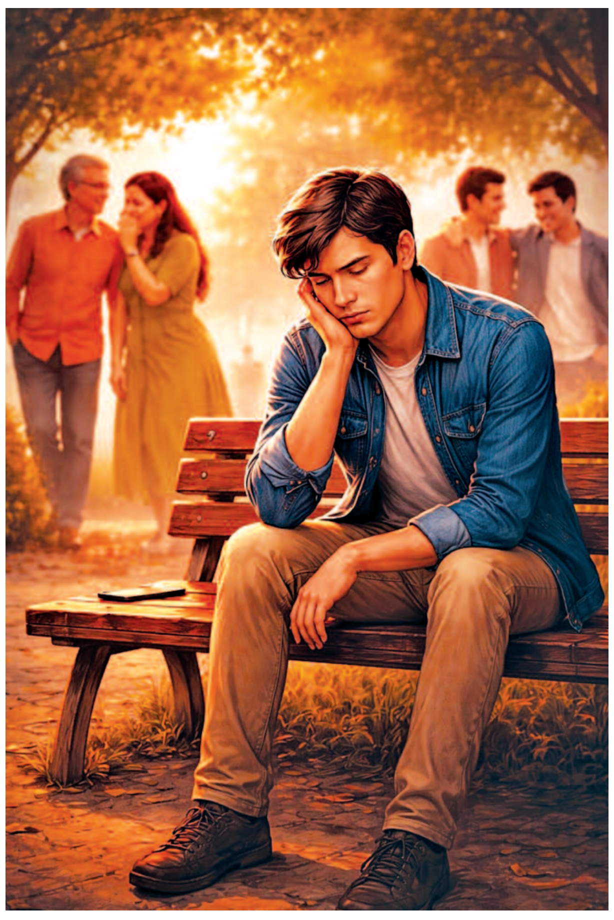

समकालीन समाज में रिश्तों की जटिलता पहले की अपेक्षा कहीं अधिक बढ़ गई है। तकनीकी प्रगति, सामाजिक बदलाव और व्यक्तिगत आकांक्षाओं के विस्तार ने जहाँ जीवन को सुविधाजनक बनाया है, वहीं मानवीय संबंधों को कहीं न कहीं उलझा भी दिया है। आज अक्सर यह देखने को मिलता है कि व्यक्ति को सबसे अधिक पीड़ा, उपेक्षा या मानसिक तनाव अपने ही लोगों से मिलता है-वे लोग जिनसे उसे सबसे अधिक समझ, स्नेह और सहारा मिलने की अपेक्षा होती है। यह एक गहरा सामाजिक और मनोवैज्ञानिक प्रश्न है कि आखिर ऐसा क्यों होता है?

इस प्रश्न का उत्तर खोजने के लिए हमें सबसे पहले रिश्तों की प्रकृति को समझना होगा। 'अपने' और 'पराए' का अंतर केवल रक्त संबंधों या सामाजिक जुड़ाव से नहीं, बल्कि भावनात्मक निवेश से तय होता है। जिन लोगों में हम अधिक भावनात्मक रूप से निवेश करते हैं, उनसे हमारी अपेक्षाएँ भी उसी अनुपात में बढ़ जाती हैं। यही अपेक्षाएँ, जब पूरी नहीं होतीं, तो दुख का कारण बनती हैं।

मानव स्वभावतः एक सामाजिक प्राणी है। वह अपने आसपास के लोगों से जुड़ाव चाहता है और उस जुड़ाव के बदले में समझ, सम्मान और सहयोग की अपेक्षा करता है। परिवार, मित्र और करीबी रिश्तेदार इस अपेक्षा के केंद्र में होते हैं। हम मान लेते हैं कि ये लोग बिना कहे हमें समझेंगे, हमारे भावों को पहचानेंगे और हर परिस्थिति में हमारे साथ खड़े रहेंगे। लेकिन वास्तविकता यह है कि हर व्यक्ति अपनी सीमाओं, परिस्थितियों और सोच के दायरे में बंधा होता है। जब हमारी अपेक्षाएँ उनकी क्षमता या इच्छा से अधिक हो जाती हैं, तो टकराव उत्पन्न होता है।

यहीं से पीड़ा की शुरूआत होती है-क्योंकि हमें लगता है कि 'अपने' हमें समझ नहीं पाए, जबकि 'पराए' से हमने ऐसी कोई उम्मीद ही नहीं रखी थी। इस प्रकार, अपेक्षाएँ जितनी अधिक होंगी, टूटने पर उतना ही अधिक दर्द होगा।

आधुनिक समाज में सफलता को अक्सर भौतिक उपलब्धियों से आँका जाता है-अच्छी नौकरी, उच्च आय, सामाजिक प्रतिष्ठा और बाहरी चमक-दमक। ऐसे में, परिवार और करीबी रिश्तों के भीतर भी एक अनकही प्रतिस्पर्धा जन्म लेने लगती है। लोग एक-दूसरे की उपलब्धियों से अपनी तुलना करने लगते हैं।

यह तुलना धीरे-धीरे ईर्ष्या का रूप ले लेती है, जो संबंधों को भीतर से खोखला कर देती है। जब अपने ही व्यक्ति की सफलता हमें प्रेरित करने के बजाय असहज करने लगे, तो यह रिश्तों में दरार का संकेत है। ईर्ष्या एक ऐसा भाव है, जो अक्सर स्वीकार नहीं किया जाता, लेकिन व्यवहार में प्रकट हो जाता है-तानों, आलोचनाओं या दूरी के रूप में।

इसके अतिरिक्त, संवाद की कमी भी रिश्तों में कड़वाहट का एक बड़ा कारण बनती जा रही है। पहले परिवारों में खुलकर बातचीत करने की परंपरा थी, लेकिन आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली, अहंकार और डिजिटल माध्यमों पर बढ़ती निर्भरता ने प्रत्यक्ष संवाद को कमजोर कर दिया है। लोग एक ही घर में रहते हुए भी भावनात्मक रूप से दूर होते जा रहे हैं। मन की बातें व्यक्त नहीं हो पातीं और छोटी-छोटी गलतफहमियाँ बड़े विवाद का रूप ले लेती हैं।

इसके विपरीत, गैरों के साथ हमारे संबंध अपेक्षाकृत सरल होते हैं। उनसे हम अधिक अपेक्षा नहीं रखते, इसलिए उनकी छोटी-सी सहायता या संवेदनशीलता भी हमें बड़ी लगती है। यहाँ संबंधों में न तो अधिकार का दबाव होता है और न ही भावनात्मक बोझ, इसलिए वे अधिक सहज और हल्के प्रतीत होते हैं।

एक और महत्वपूर्ण पहलू है अधिकार की भावना। अपने लोगों पर हम अनजाने में अधिकार जताने लगते हैं-उनके समय, उनके निर्णय और उनकी प्राथमिकताओं पर। जब यह अधिकार सीमाओं को पार कर जाता है, तो संबंधों में तनाव उत्पन्न होता है। व्यक्ति को अपनी स्वतंत्रता में हस्तक्षेप महसूस होता है, जिससे दूरी बढ़ने लगती है।

यह भी समझना आवश्यक है कि हर व्यक्ति अपने जीवन में संघर्ष कर रहा है। उसकी अपनी समस्याएँ, दबाव और सीमाएँ होती हैं। जब हम केवल अपनी अपेक्षाओं के आधार पर दूसरों का मूल्यांकन करते हैं, तो हम उनकी परिस्थितियों को नजरअंदाज कर देते हैं। यही दृष्टिकोण रिश्तों में असंतुलन पैदा करता है। समाधान की दिशा में सबसे पहला कदम है-अपेक्षाओं का संतुलन। हमें यह स्वीकार करना होगा कि कोई भी व्यक्ति पूर्ण नहीं होता और हर कोई हर समय हमारी अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर सकता। इसके साथ ही, संवाद को मजबूत करना आवश्यक है। खुलकर, ईमानदारी से और संवेदनशीलता के साथ बातचीत करने से कई समस्याएँ स्वतः हल हो सकती हैं। हमें अपने भीतर सहनशीलता और स्वीकार्यता का विकास भी करना होगा। जब हम दूसरों को उनकी सीमाओं सहित स्वीकार करते हैं, तब रिश्ते अधिक सहज और स्थायी बनते हैं। इसके अलावा, तुलना और ईर्ष्या से बचना भी अत्यंत आवश्यक है। हर व्यक्ति की अपनी यात्रा और अपनी गति होती है-इस सत्य को स्वीकार करने से मन में शांति आती है। अंततः, रिश्ते किसी भी व्यक्ति के जीवन की सबसे बड़ी पूँजी होते हैं। यदि वही रिश्ते पीड़ा का कारण बन जाएँ, तो जीवन का संतुलन बिगड़ जाता है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम रिश्तों को बोझ नहीं, बल्कि समझ और सहयोग के माध्यम के रूप में देखें। निष्कर्षतः, अपने और पराए का अंतर केवल संबंधों का नहीं, बल्कि अपेक्षाओं और दृष्टिकोण का होता है। जब हम इस अंतर को समझ लेते हैं, तो रिश्तों में आने वाली कड़वाहट को कम किया जा सकता है। अपने यदि कभी दर्द का कारण बनते हैं, तो वही सबसे बड़ा सहारा भी बन सकते हैं-बस आवश्यकता है संतुलित सोच, बेहतर संवाद और सच्ची संवेदनशीलता की।

माता के तप, त्याग और साधना की अद्भुत कथा

संजीव ठाकुर
लेखक

नवरात्रि का दूसरा दिन देवी दुर्गा के द्वितीय स्वरूप माता ब्रह्मचारिणी को समर्पित, उन्हें कोटि-कोटि प्रणाम।

यह स्वरूप तपस्या, संयम, त्याग और अदम्य साधना का प्रतीक माना जाता है। 'ब्रह्मचारिणी' शब्द दो भागों से मिलकर बना है ब्रह्म' अर्थात तप या परम सत्य, और 'चारिणी' अर्थात आचरण करने वाली। अर्थात जो ब्रह्म (तप) का आचरण करती हैं, वही ब्रह्मचारिणी हैं। यह रूप हमें जीवन में धैर्य, आत्मसंयम और लक्ष्य के प्रति अटूट निष्ठा का संदेश देता है।

माता ब्रह्मचारिणी का स्वरूप और प्रतीकात्मकता माता ब्रह्मचारिणी का स्वरूप अत्यंत साधारण, सौम्य और तपस्विनी है। वे नंगे पैर चलने वाली, हाथ में जपमाला और कमंडल धारण किए हुए दिखाई देती हैं। उनका यह स्वरूप बाहरी आडंबर से दूर रहकर आत्मिक शक्ति की ओर संकेत करता है।

जपमाला साधना और ध्यान का प्रतीक है, जबकि कमंडल तप और त्याग का प्रतिनिधित्व करता है। उनके मुख पर दिव्य तेज और शांति का भाव होता है, जो साधना के उच्चतम स्तर को दशार्ता है। माता ब्रह्मचारिणी की कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, पूर्व जन्म में माता ब्रह्मचारिणी का जन्म राजा हिमालय के घर पुत्री के रूप में हुआ था, जिनका नाम पार्वती था। बचपन से ही उनका मन भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए समर्पित था। देवर्षि नारद ने उन्हें शिव को पाने के लिए कठोर तपस्या का मार्ग बताया।

इसके बाद माता पार्वती ने घोर तपस्या आरंभ की। उन्होंने हजारों वर्षों तक कठिन व्रत और संयम का पालन किया। प्रारंभ में उन्होंने फल-फूल खाकर जीवन व्यतीत किया, फिर केवल पत्तों पर रहने लगीं। अंततः उन्होंने अन्न और जल का भी त्याग कर दिया। उनकी इस कठोर तपस्या के कारण उन्हें 'अपर्णा' नाम से भी पुकारा गया, जिसका अर्थ वह जिसने पत्तों तक का त्याग कर दिया।

उनकी तपस्या इतनी प्रबल थी कि देवता, ऋषि और स्वयं ब्रह्मा भी प्रभावित हुए। अंततः भगवान शिव उनकी इस कठोर साधना से प्रसन्न हुए और उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया। यही तपस्विनी पार्वती नवरात्रि के दूसरे दिन माता ब्रह्मचारिणी के रूप में पूजी जाती हैं।

माता ब्रह्मचारिणी साधना और तप की अधिष्ठात्री देवी हैं। वे हमें यह सिखाती हैं कि जीवन में कोई भी लक्ष्य बिना कठिन परिश्रम और धैर्य के प्राप्त नहीं होता। उनका स्वरूप आत्म-नियंत्रण, त्याग और संकल्प की शक्ति का प्रतीक है।

उनकी आराधना से भक्तों को मानसिक शांति, आत्मबल और दृढ़ता प्राप्त होती है।

यह माना जाता है कि जो साधक सच्चे मन से माता ब्रह्मचारिणी की पूजा करता है, उसे अपने जीवन के संघर्षों में सफलता मिलती है और उसके मार्ग की सभी बाधाएं दूर हो जाती हैं। नवरात्रि के दूसरे दिन माता ब्रह्मचारिणी की पूजा विशेष विधि से की जाती है। भक्त प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करते हैं और माता की प्रतिमा या चित्र के सामने दीप, धूप और फूल अर्पित करते हैं।

उन्हें शक्कर, मिश्री और पंचामृत का भोग लगाया जाता है, जो दीघार्यु और सुख-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। माता ब्रह्मचारिणी का स्वरूप हमें यह सिखाता है कि कठिनाइयों से घबराकर पीछे हटना नहीं चाहिए। निरंतर प्रयास, संयम और विश्वास के साथ हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

आज के भौतिकवादी युग में, जहां लोग त्वरित सफलता की चाह रखते हैं, माता ब्रह्मचारिणी हमें धैर्य और साधना का महत्व समझाती हैं।

निष्कर्षतः, माता ब्रह्मचारिणी केवल एक देवी स्वरूप नहीं, बल्कि जीवन की उस साधना का प्रतीक हैं, जो हमें आत्मबल, शांति और सफलता की ओर ले जाती है। उनकी कथा हमें यह प्रेरणा देती है कि यदि संकल्प अडिग हो, तो असंभव भी संभव हो जाता है।

शिक्षा जगत में गौरव का क्षण: यूपी व सीबीएसई पाठ्यक्रम में शामिल हुई डॉ. निशा अग्रवाल की रचनाएं

डॉ. शंभु पंवार

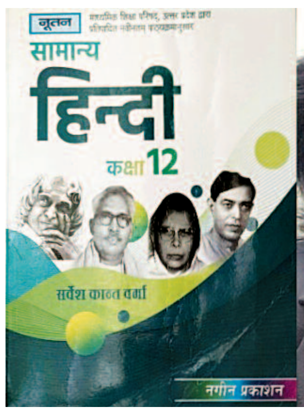

नई दिल्ली(वेलकम इंडिया)। शिक्षा जगत के लिए यह अत्यंत गौरवपूर्ण क्षण है कि जयपुर की प्रख्यात शिक्षाविद् एवं पाठ्यपुस्तक लेखिका डॉ. निशा अग्रवाल की रचनाओं को माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश के नवीन पाठ्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 9 से 12 की सामान्य हिंदी पाठ्यपुस्तकों में शामिल किया गया है। साथ ही, सीबीएसई बोर्ड की कक्षा 9 एवं 10 की हिंदी व्याकरण पुस्तकों में भी उनकी विषयवस्तु को स्थान मिला है।

नगीन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित इन पुस्तकों का संपादन वरिष्ठ लेखक सर्वेश कांत वर्मा ने किया है। इन पाठ्यपुस्तकों में डॉ. अग्रवाल के निबंध, गद्यांश, पद्यांश, संस्मरण एवं विविध शैक्षणिक सामग्री को सम्मिलित किया गया है, जो विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है।

डॉ. निशा अग्रवाल के चर्चित निबंध 'नई शिक्षा नीति' और 'शिक्षित बेरोजगारी' समकालीन शिक्षा व्यवस्था के महत्वपूर्ण पहलुओं को सरल, सटीक और प्रभावशाली भाषा में प्रस्तुत करते हैं। इन रचनाओं में नई शिक्षा नीति के उद्देश्य, स्वरूप, प्रभाव एवं चुनौतियों का समग्र विश्लेषण किया गया है, वहीं शिक्षित बेरोजगारी की समस्या और उसके समाधान पर भी गहन दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया है।

उल्लेखनीय है कि डॉ. अग्रवाल अब तक 30 से अधिक पुस्तकों का सृजन कर चुकी हैं। उनकी कृतियों में सीबीएसई पाठ्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 3 से 5 तक की अंग्रेजी एवं विज्ञान की पुस्तकें भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 'Evolution of IndianEducation', 'समावेशी शिक्षा', 'शिक्षा का बदलता स्वरूप', 'कला शिक्षा', योग शिक्षा एवं बाल शिक्षा में नवाचार जैसे विषयों पर आधारित उनकी पुस्तकें शिक्षा जगत में विशेष स्थान रखती हैं। उन्होंने सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात के सामाजिक विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. जनक सिंह मीणा के निर्देशन में एक महत्वपूर्ण शोध ग्रंथ भी तैयार किया है। साथ ही उनकी कृति 'सौहार्द शिरोमणि संत सौरभ पांडेय' एक प्रेरक जीवनी के रूप में उनकी बहुआयामी लेखन क्षमता को दर्शाती है।

धौलपुर जिले के बाड़ी (पिपरेट) निवासी जगदीश प्रसाद मंगल की सुपुत्री डॉ. निशा अग्रवाल शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय हैं। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत प्रारंभ किए गए इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (ITEP) पर उनकी चार पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जो शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान मानी जा रही हैं। डॉ. निशा अग्रवाल का यह योगदान न केवल शिक्षा जगत के लिए प्रेरणास्त्रोत है, बल्कि विद्यार्थियों को ज्ञान, जागरूकता और सामाजिक सरोकारों की दिशा में मार्गदर्शन भी प्रदान कर रहा है।

मन की शुद्धि व मंगल कार्यों को पूर्ण करता है यज्ञ: आचार्य

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में स्वयं सेवी संस्था संदेश के द्वारा विक्रमी सम्वत 2083 का आरम्भ कार्यालय पर हवन यज्ञ कर किया। इस हवन के यजमान संदेश की सचिव पूनम सिंह परिहार व अजय सिंह परिहार रहे। पूनम सिंह परिहार ने बताया कि कार्यालय व कार्यक्षेत्र की सुख शांति व उज्वल प्रगति के लिए इस हवन यज्ञ का आयोजन किया गया है। साथ ही चैत्रीय नवरात्रि पर्व के आरंभ में माँ शैलपुत्री की भी आराधना की जाती है। इसीलिए हवन, यज्ञ, पूजा का विधान भी हमारे सनातन शास्त्रों में बताया गया है। सामाज व विश्व कल्याण की शान्ति के लिए इस अनुष्ठान का आयोजन संदेश द्वारा किया गया है।इस अनुष्ठान को आचार्य कुलदीप द्विवेदी के द्वारा सफलता से सम्पन्न कराया गया। आचार्य द्विवेदी ने कहा कि हवन यज्ञ मन की शांति व मंगल कामनाओं की पूर्ति कर लिए कराये जाते है। हमारे धार्मिक गन्थों में भी इसका वर्णन किया गया है। इस अनुष्ठान में सहायक प्रबन्धक राहुल सक्सेना, वरिष्ट लेखाकार शिवचेत तोमर, लेखा अधिकारी मधुर जैन, परियोजना समन्वयक संजीव भारद्वाज,सुमित कुमार, सामुदायिक संगठक अनुराग राठौड़, अंकुर तालियांन, संदेश स्कूल की प्रधानाध्यापिका मंजुला बिष्ट, प्रियंका शर्मा,व संदेश की टीम पूरी टीम ने समाज व विश्व कल्याण की कामना के लिए पूर्ण आहुति दी।

एनएसएस शिविर के तीसरे दिन वृक्षारोपण व पर्यावरण जागरूकता पर दिया जोर

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सिकंदराबाद। गुरुवार को जे.एस. डिग्री कॉलेज, सिकंदराबाद (बुलंदशहर) की एनएसएस द्वितीय इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर का तीसरा दिन वृक्षारोपण एवं पर्यावरण साक्षरता विषय को समर्पित रहा। कार्यक्रम की शुरूआत एनएसएस स्वयंसेवकों ने एनएसएस गीत के साथ की, जिसके उपरांत पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। इसके बाद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. वैभव जैन ने पौधारोपण करते हुए कहा कि पौधे न केवल हमें छाया प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की रीढ़ भी हैं। शिविर के अंतर्गत स्वयंसेवकों ने रामबाड़ा क्षेत्र में घर-घर जाकर लोगों को वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। इस दौरान उन्होंने नारे लगाकर पर्यावरण बचाने का संदेश भी दिया। बौद्धिक सत्र में प्रो. होशियार सिंह ने वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पेड़-पौधे पृथ्वी के फेफड़े हैं, जो हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। वहीं, डॉ. ए.पी. सिंह ने पर्यावरण प्रदूषण और उसके जीवों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों पर विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर प्रो. विनोद कुमार यादव, डॉ. अंकित वर्मा, डॉ. मयंक सक्सेना, डॉ. वरुण त्यागी एवं नरेश पाल आदि उपस्थित रहे।

नई ऊर्जा और उत्साह के साथ भाजपा सरकार की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएं कार्यकर्ता: हरीश

गुलजार आलम

रामपुर(वेलकम इंडिया)। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार ने कहा कि सभी नव नियुक्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता नई ऊर्जा और उत्साह के साथ भाजपा सरकार की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएं। उन्हें पूरा भरोसा है कि आगामी सभी चुनावों में भाजपा की विराट विजय होगी। आगामी विधानसभा चुनाव में भी भाजपा सभी सीटें जीतेगी। भाजपा की जिला कार्यकारिणी की घोषणा होने के बाद गुरूवार को भाजपा जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के साथ भमरौआ मंदिर पहुंच गए। यहां सभी ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष हरीश गंगवार ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक संगठन का पदाधिकारी बनना अपने आप में गर्व की बात है। ऐसे में टीम में जिन लोगों को भी स्थान मिला है, वह दिनरात भाजपा को मजबूत बनाने के लिए कार्य करें। पार्टी की नीतियां और केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा के राज में देश आर्थिक एवं सामरिक दृष्टि से आत्मनिर्भर हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों के माध्यम से देश में निवेश का माहौल बेहतर किया है। इससे न केवल बड़े उद्योग स्थापित हो रहे हैं, बल्कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को भी बढ़ावा मिल रहा है। जिलाध्यक्ष ने बताया कि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार ने उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है। वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट योजना के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है। इससे स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़े हैं और छोटे उद्यमियों को नई पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नए औद्योगिक कॉरिडोर, डिफेंस कॉरिडोर और एक्सप्रेसवे परियोजनाओं के कारण निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। इससे रामपुर सहित आसपास के जिलों में भी औद्योगिक गतिविधियां तेज होने की उम्मीद है। आने वाले समय में इससे युवाओं को रोजगार मिलेगा और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

डीएम-एसएसपी ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

नवरात्रि पर नव दुर्गा शक्ति मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

डीके निगम

बुलंदशहर(वेलकम इंडिया)। खुर्जा में नवरात्रि के पावन पर्व पर नगर के श्री नव दुर्गा शक्ति मंदिर में दूर-दूर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। नवरात्रि के प्रथम दिन जिलाधिकारी श्रुति एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने मंदिर पहुंचकर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था, बैरिकेटिंग, साफ-सफाई तथा दर्शन व्यवस्था का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। श्रद्धालुओं के सुगम एवं सुरक्षित दर्शन के लिए विशेष बैरिकेटिंग की व्यवस्था की गई है, जिससे दर्शन प्रक्रिया सुव्यवस्थित तरीके से संचालित हो रही है। इस दौरान जिलाधिकारी एवं एसएसपी ने भी मंदिर में पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा जनपद की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी खुर्जा प्रतीक्षा पांडेय, सीओ खुर्जा शोभित कुमार, प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह सहित अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

9 दिवसीय 'उद्यमी विचार गोष्ठी एवं संवाद कार्यक्रम' कार्यक्रम में युवाओं को रोजगार के अवसरों की जानकारी

वेलकम इंडिया ब्यूरो

रामपुर। प्रदेश सरकार के नव निर्माण के नौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विकास भवन परिसर में आयोजित 09 दिवसीय प्रदर्शनी के दूसरे दिन जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र द्वारा 'उद्यमी विचार गोष्ठी एवं संवाद कार्यक्रमह्व का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मा० जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन मोहन लाल सैनी ने कहा कि वर्तमान समय में स्वरोजगार एवं लघु उद्योगों का विशेष महत्व है। इससे व्यक्ति आत्मनिर्भर बनता है तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होते हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर अपने व्यवसाय की स्थापना करें और आर्थिक रूप से सशक्त बनें। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि बैंक द्वारा योग्य उद्यमियों को सरल एवं पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।

आई.आई.ए. के चेयरमैन श्रीष गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि मा० मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि युवाओं को प्रोत्साहित करने हेतु अनुदान/सब्सिडी योजनाएं संचालित की जा रही हैं तथा बैंकों के माध्यम से सरल शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। लघु उद्योग भारती के सचिव श्री शलभ गोयल ने कहा कि लघु एवं सूक्ष्म उद्योग देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उन्होंने उद्यमियों से नवाचार एवं गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने तथा सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर अपने उद्योग को आगे बढ़ाने की अपील की।

सहायक आयुक्त उद्योग श्रीमती निहारिका जैन ने बताया कि विभाग द्वारा युवाओं एवं महिला उद्यमियों को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है। विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों, वित्तीय सहायता योजनाओं एवं मार्गदर्शन के माध्यम से उन्हें स्वरोजगार स्थापित करने हेतु सक्षम बनाया जा रहा है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनें और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

लखनऊ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राज्य स्तरीय एनएसएस सम्मेलन का भव्य शुभारंभ

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) क्षेत्रीय निदेशालय (उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड), लखनऊ के तत्वावधान में 19 व 20 मार्च 2026 को लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में दो दिवसीय राज्य स्तरीय एनएसएस सम्मेलन का आयोजन शुरू हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और एनएसएस लक्ष्य गीत के साथ किया गया। उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना निदेशालय,नई दिल्ली के प्रतिनिधि एवं युवा अधिकारी कोमल सिंह ने कहा कि 'मैं नहीं,तुम' का मूल मंत्र भले छोटा लगे लेकिन इसका उद्देश्य अत्यंत व्यापक और प्रभावशाली है उन्होंने बताया कि एनएसएस ने 40 हजार स्वयंसेवकों से बढ़कर आज 40 लाख स्वयंसेवकों तक का सफर तय किया है जो देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं उन्होंने एनएसएस एलुमिनी के गठन और एनआईएस पोर्टल की शुरूआत की भी जानकारी दी जहां एनएसएस से जुड़ी सभी गतिविधियों का डाटा उपलब्ध रहेगा। अध्यक्षीय उद्बोधन में लखनऊ विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक डॉ.अमरेंद्र कुमार ने कहा कि यह सम्मेलन एनएसएस के विकास को नई दिशा देगा। राज्य संपर्क अधिकारी डॉ.मंजू सिंह ने एनएसएस को एक जीवन शैली बताते हुए युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित होने का आह्वान किया। क्षेत्रीय निदेशक समरदीप सक्सेना ने बताया कि देश के केवल तीन राज्यों में इस प्रकार के आयोजन हो रहे हैं जिनमें उत्तर प्रदेश भी शामिल है। उद्घाटन सत्र के बाद तकनीकी सत्रों का आयोजन हुआ। प्रथम सत्र की अध्यक्षता माय भारत,उत्तर प्रदेश के राज्य निदेशक अनिल सिंह ने की जबकि डॉ.नीरज कुमार ने 'माय भारत' पोर्टल की विस्तृत जानकारी देते हुए युवाओं के लिए उपलब्ध अवसरों पर प्रकाश डाला उन्होंने बताया कि यह पोर्टल 15 से 29 वर्ष के युवाओं को समाज सेवा,कौशल विकास और प्रशिक्षण से जोड़ने का माध्यम है। द्वितीय तकनीकी सत्र में सीक्रेट हार्ट डिग्री कॉलेज,सीतापुर के प्राचार्य डॉ.जॉन्सन जेवियर की अध्यक्षता में एनएसएस पुरस्कार प्राप्त युवा वक्ताओं मोहित शर्मा,अंकुर मिश्रा, तनिषा त्रेहन और लक्ष्य ने विकसित भारत 2047 में युवाओं की भूमिका,सामाजिक जागरूकता,पर्यावरण संरक्षण और नेतृत्व विकास जैसे विषयों पर विचार साझा किए। वक्ताओं ने स्वामी विवेकानंद के विचारों को अपनाने और वैश्विक स्तर पर भारत की पहचान मजबूत करने पर बल दिया। तृतीय सत्र में पूर्व राज्य संपर्क अधिकारी डॉ.अंशुमाली शर्मा ने स्वयंसेवा को समाज के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि एनएसएस न केवल सामाजिक बल्कि शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक सशक्तिकरण का भी माध्यम है। लखनऊ विश्वविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर प्रो.राकेश द्विवेदी ने कार्यों के सामाजिक प्रभाव को समझने और बहुआयामी ज्ञान के विकास पर जोर दिया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य एनएसएस के समक्ष चुनौतियों और उनके समाधान पर विचार-विमर्श,गुणवत्तापूर्ण गतिविधियों की समीक्षा तथा शिक्षण संस्थानों की भूमिका को सुदृढ़ करना है। साथ ही राष्ट्रीय विकास कार्यक्रमों में स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना भी इसका लक्ष्य है। दिन के अंतिम सत्र में साइबर सुरक्षा और साइबर क्राइम जागरूकता पर पूर्व डीआईजी अरविंद चतुर्वेदी और डॉ. गौरव कुमार ने महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इस अवसर पर 'साइबर हाइजीन' पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर ई-रिक्शा लूटा, दो दिन बाद आया होश

शिकारपुर(वेलकम इंडिया)। शिकारपुर क्षेत्र में ई-रिक्शा चालकों को निशाना बनाने वाले गिरोह सक्रिय हैं। शिकारपुर में एक शातिर लुटेरे ने जहांगीराबाद से भाड़े पर लाए गए ई-रिक्शा चालक को नशीला पदार्थ पिलाकर लूट की वारदात को अंजाम दिया। चालक को दो दिन बाद अस्पताल में होश आया, जिसके बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जहांगीराबाद के मोहल्ला आहनग्रान निवासी पीड़ित चालक अशरफ ने बताया कि वह ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पेट पालता है। 8 मार्च की सुबह करीब 10 बजे चांदौक दोराहे से एक व्यक्ति ने शिकारपुर अस्पताल से मरीजों को लाने के बहाने उसका रिक्शा बुक किया। शिकारपुर अस्पताल पहुंचने पर आरोपी ने चालक को 200 रुपये दिए और उसे बाजार से बिरयानी लाने को कहा। जब अशरफ बिरयानी लेकर लौटा, तो आरोपी ने उसे विश्वास में लेकर कोल्ड ड्रिंक पिलाई। कोल्ड ड्रिंक पीने के महज 15-20 मिनट बाद ही अशरफ बेहोश होकर वहीं गिर पड़ा। बेहोशी की हालत में किसी राहगीर ने अशरफ को अस्पताल में भर्ती कराया। 10 मार्च को जब उसे होश आया और उसने अपने ई-रिक्शा के बारे में पूछा, तो पता चला कि रिक्शा गायब है। लुटेरा चालक को बेहोशी की हालत में छोड़कर रिक्शा लेकर रफूचक्कर हो गया था। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अज्ञात आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक चंदगीराम ने बताया कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, आरोपी की पहचान कर उसे जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बेहोशी की हालत में किसी राहगीर ने अशरफ को अस्पताल में भर्ती कराया।10 मार्च को जब उसे होश आया और उसने अपने ई-रिक्शा के बारे में पूछा, तो पता चला कि ई रिक्शा गायब है।

गौशाला का विस्तार कर शैक्षिक दृष्टि से विकसित करें: नगरायुक्त

नगरायुक्त ने अधिकारियों के साथ किया कान्हा उपवन गौशाला का निरीक्षण

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। नगरायुक्त शिपू गिरि ने गौशाला में लगातार बढ़ती गौवंश की संख्या को देखते हुए गौशाला का विस्तार करने तथा गौशाला को शैक्षिक दृष्टि से विकसित करने के निर्देश दिए ताकि स्कूली बच्चों को गौवंश और उसके महत्व से अवगत कराया जा सके। नगरायुक्त आज दोपहर नगर निगम द्वारा संचालित कान्हा उपवन गौशाला का निरीक्षण करने आये थे। नगरायुक्त शिपू गिरि आज दोपहर अपर नगरायुक्त प्रदीप यादव व मुख्य अभियंता निर्माण व वरिष्ठ प्रभारी गौशाला सुरेश चंद के साथ नवादा रोड स्थित कान्हा उपवन गौशाला का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने गौवंश का निरीक्षण करने के अलावा गौवंश के लिए गौशाला में भूसा, हरे चारे की उपलब्धता तथा नवरात्रों के दृष्टिगत गोबर से बनायी जा रही समिधा, दिए व जैविक खाद की जानकारी लेने के साथ ही गौमूत्र से बनाये जा रहे गोनाइल संयत्र के बारे में जानकारी ली। उन्होंने गोमय पेंट बनाने वाली यूनिट का भी निरीक्षण किया। नगरायुक्त ने गौशाला की श्रेष्ठ व्यवस्था और गौवंश के सही रख रखाव के लिए निगम के पशु चिकित्सा कल्याण अधिकारी डॉ. संदीप मिश्रा व स्टाफ की सराहना की। नगरायुक्त ने गौशाला में पेंट कराने, मुख्य द्वार पर गौशाला का बोर्ड लगाने तथा बाहर गौशाला की जानकारी देते दिशा सूचक बोर्ड लगाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने गौशाला को बच्चों के मनोरंजन व शैक्षिक दृष्टि से विकसित करने पर जोर दिया, ताकि स्कूली बच्चों को वहां भ्रमण कराते हुए उन्हें गौवंश के आध्यात्मिक, सामाजिक व आर्थिक महत्व और उसके उत्पादों से अवगत कराया जा सके। उन्होंने गौशाला की छतों को सोलर पैनल से आच्छादित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने गौशाला प्रभारी डॉ. संदीप मिश्रा से जानकारी ली कि गौवश की टैगिंग हुई है या नहीं ?तथा बीमारियों से बचाव के लिए वैक्सीनेशन हो गया या नहीं? डॉ मिश्रा ने बताया कि सभी बीमारियों से बचाव के लिए वैक्सीनेशन हो चुका है तथा गौशाला के लिए तैनात चिकित्सक द्वारा गौवंश का स्वास्थय परीक्षण भी लगातार कराया जा रहा है।

मथुरा पहुंची महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू, राज्यपाल श्रीमती आंनदी बेन पटेल ने किया स्वागत

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी का जनपद मथुरा के कैंट हैलीपैड पर बुधवार को आगमन हुआ। कैंट हैलीपैड में महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी का स्वागत महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी, माननीय मंत्री गन्ना विकास एवं चीनी मिलें लक्ष्मी नारायण चौधरी, माननीय प्रभारी मंत्री/माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बेसिक शिक्षा विभाग संदीप सिंह, माननीय राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, मथुरा वृन्दावन नगर निगम के माननीय महापौर विनोद अग्रवाल, लेफ्टिनेंट जनरल वी हरिहरन, अपर पुलिस महानिदेशक आगरा श्रीमती अनुपम कुलश्रेष्ठ, मंडलायुक्त आगरा नगेन्द्र प्रताप, ग्रुप कैप्टन शिवम मनचंदा, जिलाधिकारी मथुरा चंद्र प्रकाश सिंह तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा श्लोक कुमार द्वारा किया गया।

महामहिम राष्ट्रपति और महामहिम राज्यपाल ने किए प्रेम मंदिर दर्शन

मनोज शर्मा

मथुरा(वेलकम इंडिया)। महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी एवं महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने प्रेम मंदिर के दर्शन किए। महामहिम द्वारा भोग घर प्रवेश द्वार से प्रेम मंदिर में प्रवेश किया गया। महामहिम राष्ट्रपति जी एवं महामहिम राज्यपाल जी का भव्य स्वागत अजय बाबा, दीपक भरेजा, सी गुरुराज राव तथा डॉ सुपर्णा राव ने किया।

उन्होंने प्रेम मंदिर में आयोजित लेजर शो का अवलोकन किया। महामहिम राष्ट्रपति ने प्रेम मंदिर के गर्भ गृह के समक्ष श्री राधा-कृष्ण जी के युगल विग्रह दर्शन किए एवं विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हुए आरती की। दर्शन के समय सभा मंडप में संकीर्तन मंडली के 51 आश्रमवासियों द्वारा संकीर्तन एवं आरती गायन किया गया। महामहिम राष्ट्रपति एवं महामहिम राज्यपाल को श्री राधा-कृष्ण जी की मनमोहक स्मृति चिन्ह भेंट किया। महामहिम राष्ट्रपति एवं महामहिम राज्यपाल ने प्रसाद ग्रहण किया। प्रसाद ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने गर्भ गृह के बाहर परिक्रमा लगाई।

महामहिम राष्ट्रपति एवं महामहिम राज्यपाल ने प्रेम मंदिर के प्रथम तल में श्री महाराज जी के विग्रह एवं श्री सीता-राम युगल विग्रह के दर्शन किए तथा पूजा-अर्चना किया। उन्होंने प्रथम तल के गर्भ गृह की परिक्रमा भी लगाई। परिक्रमा के पश्चात अजय बाबा, दीपक भरेजा, सी गुरुराज राव एवं डॉ सुपर्णा राव ने महामहिम राष्ट्रपति एवं महामहिम राज्यपाल को श्री महाराज जी का साहित्य भेंट किया।

डीग रोड स्थित तुलसी रेजीडेंसी में गंगौर बिनौरा धूमधाम से मनाया गया

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा(गोवर्धन)। नगर की तुलसी रेजीडेंसी कॉलोनी में आयोजित 16 दिवसीय गंगौर उत्सव के अंतर्गत शुक्रवार को गंगौर का बिनौरा बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कॉलोनी की महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सज-धज कर गंगौर माता की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की एवं भव्य बिनौरा निकाला। कार्यक्रम में ममता भूतड़ा, रितिका, अनुश्री, कृतिका, रमा, हेमा, साधना, बृजेश, विभा, ममता शर्मा, शगुन सहित कॉलोनी की अनेक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष गंगौर उत्सव का आयोजन महेश्वरी भूतड़ा परिवार की पहल पर प्रारंभ किया गया, जिनके प्रयासों से कॉलोनी की सभी महिलाओं ने एकजुट होकर इस पारंपरिक उत्सव को सफलतापूर्वक मनाया। कार्यक्रम के दौरान भक्ति गीतों एवं पारंपरिक रस्मों के साथ पूरे वातावरण में उल्लास एवं भक्ति का माहौल बना रहा। गंगौर बिनौरा के दौरान विभिन्न दिनों में कॉलोनी के सदस्यों द्वारा स्वागत किया गया, जिसमें सोमवार को नीलू शर्मा, मंगलवार को हेमा, रमा एवं ममता, बुधवार को कॉलोनी अध्यक्ष चोहल सिंह द्वारा स्वागत किया गया, जबकि गुरुवार को ममता शर्मा तथा शुक्रवार को ममता भूतड़ा द्वारा बिनौरा का स्वागत किया जाएगा।

नवसंवत्सर की मंगलकामनाओं के साथ नववर्ष मेला समापन

मेला एक दूसरे से मेलजोल बढ़ाने का अवसर देता है: शैलेश कुमार पाण्डेय

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। नववर्ष मेला समिति के तत्वाधान में बुधवार को सेठ बी एन पोद्दार इंटर कॉलेज के मैदान में आयोजित 25 वें नववर्ष मेला समारोह में शैलेश कुमार पाण्डेय पुलिस उप महानिरीक्षक आगरा जोन ने नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नववर्ष मेला का आयोजन मनोरंजन, उत्साह तथा एक- दूसरे से मेलजोल बढ़ाने का अवसर देता है। इस प्रकार के मेला के आयोजनों से कलाकारों को अपनी कलाओं का, शिल्पकारों को अपनी शिल्प का और अन्य हुनरकारो को अपने हुनर का प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है। नवसंवत्सर 2083 और आशीर्वचन देते हुए संत स्वामी कार्ष्णि गोविन्दानन्द महाराज श्री रमणरेतीधाम महावन ने कहा कि यह भारत भूमि तपस्वियों, वीरांगनाओं, की भूमि है। यह नववर्ष अनेक गौरवशाली परम्पराओं और इतिहास को समाहित किए हुए हैं। इस नवसंवत्सर को आने वाली पीढ़ियों को बताएं।स्वागताध्यक्ष डॉ० गौरव सिंह, उप कुलपति के०डी० विश्वविद्यालय ने शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस उप महानिरीक्षक आगरा जोन शैलेश कुमार पांडेय, समिति अध्यक्ष कमलेश अरोड़ा एवं विभाग संघ चालक वीरेंद्र मिश्र ने मां भगवती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा नववर्ष मेला के 25 वर्ष पूर्ण होने पर नववर्ष मेला समिति की स्मारिका 'नव प्रवाह' का विमोचन किया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव ने एवं धन्यवाद ज्ञापन अध्यक्ष कमलेश अरोड़ा ने किया। इससे पूर्व दोपहर में मेला स्थल पर समिति पदाधिकारियों द्वारा भूमि पूजन एवं हवन कर मेला का शुभारंभ किया। यजमान के रूप में नववर्ष मेला समिति उपाध्यक्ष यादवेंद्र अग्रवाल पत्नी अंजना अग्रवाल सहित ने हवन में पूर्ण आहुतियां दी। हवन पं० श्यामू चतुर्वेदी ने वेद मंत्रों से कराया। हवन के बाद प्रसाद का वितरण किया गया। नववर्ष समारोह में महानगर प्रचारक सचिन भारत, डॉ० संजय अग्रवाल, शिव कुमार शर्मा, प्रचारक सचिन भारत, विजय बंटा, प्रदीप अग्रवाल, राजीव कृष्ण, अनिरुद्ध अग्रवाल, सुभाष सैनी, मीडिया प्रभारी मुकेश शर्मा, विशाल रुहेला, समीर बंसल, डॉ० जमुना देवी शर्मा, डॉ० रुचि अग्रवाल, आदि मेला पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ईद उल-फितर व अन्य आगामी त्योहारों के सकुशल सम्पन्न कराये जाने के सम्बन्ध में पुलिस कमिश्नरेट आगरा की गोष्ठी

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। आगरा में पुलिस आयुक्त, आगरा दीपक कुमार (IPS) के निर्देशन में अपर पुलिस आयुक्त आगरा रामबदन सिंह द्वारा पुलिस लाइन्स स्थित प्रशांत मेगॉनिकल सभागार में नगर क्षेत्र के समस्त थाना क्षेत्रों के सभी धर्मो के धर्मगुरुओं/मौलवियों व मुतवल्लियों के साथ गोष्ठी आयोजित कर ईद उल–फितर व अन्य आगामी त्योहारों को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु दिशा निर्देश दिये गये। गोष्ठी में पुलिस उपायुक्त नगर, पुलिस उपायुक्त यातायात, अपर नगर आयुक्त आगरा, अपर पुलिस उपायुक्त अपराध/यातायात, सहायक पुलिस आयुक्त एलआईयू, सहायक पुलिस आयुक्त यातायात, नगर क्षेत्र के समस्त सहायक पुलिस आयुक्त एवं नगर क्षेत्र के समस्त थाना प्रभारी मौजूद रहे। गोष्ठी में सभी धर्मगुरुओं से अपील की गई कि वे सभी आपसी भाईचारा एवं शांति बनाए रखें और अफवाहों से बचें।

फतेहपुर सीकरी में GNRF की जानिब से भव्य इफ्तार पार्टी का आयोजन

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। आगरा में फतेहपुर सीकरीउर्स–ए–सलीम चिश्ती अलैहिर्रहमा के मुबारक मौके पर दावत–ए–इस्लामी इंडिया एवं ऋढ़फ्ऋ(गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन) की जानिब से एक भव्य एवं विशाल इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। इस मौके पर करीब 3000 रोजेदारों को इफ्तार कराया गया, जिसमें दूर–दराज से आए लोगों ने भी शिरकत की। इफ्तार पार्टी का आयोजन बड़े ही बेहतरीन इंतजामात के साथ किया गया, जिसमें साफ–सफाई, बैठने की व्यवस्था और खाने–पीने का खास ख्याल रखा गया।

श्रीराधा रानी के परम भक्त थे निकुंज लीला प्रविष्ट सन्त विवेकानंद महाराज

डॉ. गोपाल चतुर्वेदी

वृन्दावन(वेलकम इंडिया)। गौरा नगर कॉलोनी (चार सम्प्रदाय आश्रम के पीछे) स्थित स्नेह माधुरी कुंज में प्रख्यात सन्त नित्य लीला प्रविष्ट विवेकानंद महाराज (मौनी बाबा) की स्मृति में विराट संत-विद्वत सम्मेलन अत्यन्त एवं धूमधाम के साथ सम्पन्न हुआ। जिसके अंतर्गत समस्त संतों, विद्वानों, धमाचार्यों, भक्तों-श्रद्धालुओं व शिष्य परिकर के द्वारा सन्त प्रवर विवेकानंद महाराज (मौनी बाबा) का पावन स्मरण करके उन्हें वाक पुष्पांजलि अर्पित की गई। सर्वप्रथम आचार्य नरोत्तम प्रसाद चतुर्वेदी व आचार्य पुरुषोत्तम शास्त्री द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया।

तत्पश्चात चिंतामणि कुंज के अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. आदित्यानंद गिरि महाराज एवं चतु:संप्रदाय के श्रीमहंत बाबा फूलडोल बिहारीदास महाराज ने कहा कि निकुंजवासी विवेकानंद महाराज (मौनी बाबा) अत्यन्त सहज, सरल, उदार व परोपकारी सन्त थे। उन्होंने अपना समूचा जीवन गौ, सन्त, विप्र, ब्रजवासी व निर्धन-निराश्रित आदि की सेवा में व्यतीत किया।उन जैसे संतों से ही पृथ्वी पर धर्म व अध्यात्म का अस्तित्व है।

अध्यक्षता करते हुए चार सम्प्रदाय आश्रम के महंत ब्रजबिहारी दास महाराज एवं महंत रामस्वरूप दास महाराज ने कहा कि निकुंज लीला प्रविष्ट सन्त विवेकानंद महाराज (मौनी बाबा) श्रीराधा रानी के परम भक्त थे। पूज्य महाराजश्री ने अपनी साधना की शक्ति से कई बार प्रभु की निकुंज लीलाओं का दर्शन किया। पूज्य महाराजश्री की परम कृपापात्र शिष्या साध्वी मीरा बहिनजी एवं प्रख्यात साहित्यकार 'यूपी रत्न' डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने कहा कि हमारे सद्गुरुदेव विवेकानंद महाराज (मौनी बाबा) ने श्रीधाम वृन्दावन में कठोर साधना करते हुए कई वर्षों तक मौन व्रत धारण किया था। इसीलिए उन्हें मौनी बाबा के नाम से जाना जाता है। बड़ी छावनी आश्रम के महंत रामकल्याण दास महाराज एवं संस्कृत के परम विद्वान आचार्य नेत्रपाल शास्त्री ने कहा कि सन्त विवेकानंद महाराज (मौनी बाबा) परम्भजनानंदी व निस्पृह संत थे। उन जैसे संतों से ही सनातन धर्म और भारतीय वैदिक संस्कृति पल्लवित व पोषित होती है। अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा के ब्रज प्रान्त अध्यक्ष पण्डित बिहारीलाल वशिष्ठ एवं प्रख्यात भजन गायक बनवारी महाराज ने कहा कि सन्त विवेकानंद महाराज (मौनी बाबा) ने कई वर्षों तक मधु करी करके अपना पालन पोषण किया। पूज्य महाराजश्री को विभिन्न रोगों से ग्रस्त व्यक्तियों के रोगों के निवारण हेतु अनुष्ठान करने में महारथ हासिल था।

उप निरीक्षक सत्येंद्र सिंह को किया जाएगा सम्मानित

मथुरा(वेलकम इंडिया)। उप निरीक्षक सत्येंद्र सिंह को उनकी बहादुरी और कर्तव्य निष्ठा के लिए सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बरेली जयपुर एक्सप्रेसवे पर एक स्कूल बस में आग लगने की घटना में 38 स्कूल बच्चों को सुरक्षित निकालकर अपनी जान को खतरे में डालकर उनकी रक्षा की। विनोद दीक्षित, संस्थापक अध्यक्ष, बृज यातायात एवं पर्यावरण जन जागरूकता समिति ने कहा कि सत्येंद्र सिंह की इस बहादुरी और कर्तव्य निष्ठा के लिए उन्हें समिति की तरफ से सम्मानित किया जाएगा। सत्येंद्र सिंह की इस बहादुरी की सराहना की जा रही है और उन्हें सच्चे देशभक्त का परिचय देने के लिए सम्मानित किया जाएगा।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मोहा मन

मथुरा(वेलकम इंडिया)। सायं को सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम में मेला स्थल पर रंगोली प्रतियोगिता, रूप सज्जा, सामूहिक नृत्य एवं एकल नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। सामूहिक एवं एकल नृत्य में प्रतिभागियों की रंगारग प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। रूप सज्जा में विभिन्न स्वरूपों में सजे नन्हें– मुन्ने बच्चे सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहे थे। विभिन्न प्रतियोगिताएं संयोजक डॉ0 सीमा मिश्रा, दीपा चतुर्वेदी, आरती शर्मा, प्रिया वशिष्ठ, रजनी भट्ट, अंजू गौतम, अनामिका दीक्षित के निर्देशन में हुई। इस अवसर पर डॉ0 दीपा अग्रवाल एवं हरवीर सिंह आदि उपस्थित रहे।

नवसंवत्सर के उपलक्ष्य में निकला चतुर्भुज महाराज का डोला, सपा नेता महेश शर्मा गोल्डी भैया हुए कार्यक्रम में शामिल

मथुरा(वेलकम इंडिया)। गोवर्धन क्षेत्र के गांव पैंठा में सैकड़ों सालों से चली आ रही परंपरा के अनुसार चतुर्भुज महाराज का डोला नवसंवत्सर के उपलक्ष्य में बैंड बाजे के साथ निकाला गया।जिसमे सर्वसमाज और क्षेत्रीय लोग नाचते गाते हुए शामिल हुए। समाजवादी पार्टी के नेता गोवर्धन विधानसभा 83 के आवेदक प्रत्याशी महेश शर्मा उर्फ गोल्डी भैया अपने साथियों के साथ इस धार्मिक कार्यक्रम में शामिल हुए।जहा स्थानीय लोगों द्वारा दुपट्टा पहचानकर स्वागत सम्मान किया गया।महेश शर्मा उर्फ गोल्डी भैया ने सर्व समाज का आभार प्रकट करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया। पंडित भावेश शर्मा ने इसे सैकड़ों साल से चली आ रही परंपरा बताया।

पीआरडी सँगठन की हुई बैठक: तीनों ब्लाकों की इकाई का गठन और अपनी लंबित मांगो के समाधान को लेकर हुई चर्चा

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागेश्वर। पीआरडी सँगठन की जिला कार्यकारिणी की विकास भवन में बैठक हुई।संघ के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र भोटिया की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पीआरडी जवानों ने अपनी लंबित मांगो का समाधान किए जाने और जिले के तीनों विकासखंडों में ब्लॉक इकाई के गठन कर्मियों को मिलने वाली ड्यूटी,समान कार्य के आधार पर समान वेतन दिए जाने की मांग, सहित वर्ष भर पीआरडी जवानों को ड्यूटी दिए जाने, सहितने नए नियमावली में जवानों को राजकीय कर्मियों के समान वेतन व भत्ते दिए जाने की मांग उठाई गई।

बैठक में सर्वसम्मति से देहरादून में संगठन द्वारा धरना प्रदर्शन में उठाई गई मांगो क पूर्ण करने हेतु जिला इकाई द्वारा पूर्ण समर्थन देने और मांगो की पूर्ति हेतु जल्द सभी उचित मांगो को सरकार द्वारा नही माने जाने पर भविष्य में एकजुट होकर आंदोलन करने की चेतावनी दी। बैठक में बागेश्वर के ब्लाक कमाडर रविंदर हरड़िया ने कहा कि तीन विकास खण्डों में संगठनों का गवन कर विस्तारीकरण किया जाए.इस दौरान जिला सचिव रंजना, उपाध्यक्ष नीमा बर्मा,सह सचिव मनीष कुमार प्रवक्ता हरीश राम,सक्रिय सदस्य पंकज पाण्डे,नरेंद्र कुमार,मुन्नी भंडारी,पूनम गड़िया,पंकज पांडे, सुंदर लाल,दिवान राम,मन्जू,पुष्पा पंचपाल,सरोज,चांदा देवी,जसपाल,पनी राम आदि मौजूद थे।

शैक्षिक भ्रमण पर गुजरात जाएंगे मथुरा के अध्यापक

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। बेसिक शिक्षा विभाग मथुरा के परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत दो शिक्षकों पीएम श्री उच्च प्राथमिक विद्यालय बाटी के प्रभारी प्रधानाध्यापक मुकेश कुमार शर्मा और नौहझील के पीएम श्री उच्च प्राथमिक विद्यालय नावली के प्रभारी प्रधानाध्यापक राम प्रकाश पाठक का चयन गुजरात के गांधीनगर जनपद में शैक्षिक भ्रमण के लिए किया गया है। विदित हो कि शिक्षा के 'गुजरात मॉडल' को समझने और बेहतरीन शैक्षणिक प्रथाओं को सीखने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश के समस्त 75 जनपदों से दो दो उत्कृष्ट शिक्षकों का चयन करके गुजरात के गांधीनगर स्थित आईआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज में शैक्षिक भ्रमण के लिए किया गया है। गांधीनगर के इस तीन दिवसीय शैक्षिक भ्रमण में यह शिक्षक आईआईटी गांधीनगर के विशेषज्ञों से नवीनतम शिक्षण विधियों, प्रविधियों, पद्धतियों, स्मार्ट क्लासरूम एवं नवाचारों के बारे में विस्तार से जानेंगे तथा गुजरात के सरकारी स्कूलों की कार्यप्रणाली का अध्ययन कर, यह शिक्षक मथुरा में आकर स्थानीय शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए प्रयास करेंगे।

महिलाएं एकजुटता, सजगता के साथ खुद को सक्षम बनाएं: नगरायुक्त

वेलकम इंडिया संवाददाता

सहारनपुर। नगर निगम के शाकुंभरी सभागार में आज शाम कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न के प्रति पूर्ण असहनशीलता नीति के अंतर्गत एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। आंतरिक शिकायत समिति के तत्वाधान मे आयोजित कार्यशाला में माइंड पॉवर कोच अंकुर अग्रवाल ने 'कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम-2013' की जानकारी देते हुए विस्तार से उन परिस्थितियों का उल्लेख किया जिनमें महिलाओं का उत्पीड़न हो सकता है।

कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए नगरायुक्त शिपू गिरि ने महिलाओं से अपनी एकजुटता सजगता बनाये रखते हुए स्वयं को हर परिस्थिति से निपटने के लिए सक्षम बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि कानून से अलग भी एक कानून है, वह है सामाजिक और नैतिक कानून। लोगों को सामाजिक व नैतिकता के दृष्टिगत महिलाओं का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब ये कानून नहीं थे तब सामाजिक व नैतिकता ही ऐसा करने से लोगों को रोकती थी। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण की आवश्यकता महिलाओं से ज्यादा पुरुषों को है। उन्होंने आंतरिक शिकायत समिति की निरंतर बैठकों पर जोर दिया। प्रशिक्षक अंकुर अग्रवाल ने कहा कि हर वह स्थल जहां महिलाएं साथ में काम कर रही हैं, वहां एक अच्छा वातावरण बनाना नियोक्ता और साथ काम करने वाले लोगों की पहली जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के प्रति अपशब्दों का प्रयोग, भद्दे कमेंट, भद्दे जोक्स, पर्सनल कमेंट, महिला के प्रति अफवाहें उड़ाना तथा वह हर गतिविधि जिससे महिला असहज हो जाए, वह इस अधिनियम के अंतर्गत आयेगी। उन्होंने बताया कि एक्ट में केवल महिलाओं को सुरक्षा मिलती है पुरुषों को नहीं।

उन्होंने बताया कि यदि कोई महिला परेशान है उसे आंतरिक शिकायत समिति के समक्ष अपनी शिकायत करनी चाहिए। महिला को कोई सबूत नहीं देना है, यह काम समिति स्वयं जांच कर करेगी।

उन्होंने बताया कि समिति को सिविल कोर्ट की शक्तियां एक्ट में दी गयी हैं। पीड़ित महिला तीन माह के भीतर शिकायत कर सकती है। उन्होंने कहा कि इस एक्त का उद्देश्य है कि यदि किसी महिला का कार्य स्थल पर उत्पीड़न हुआ है तो उसे इंसाफ अवश्य मिलना चाहिए।

इससे पूर्व आंतरिक समति की पीठासीन अधिकारी व मुख्य कर निर्धारण अधिकारी संगीता गुप्ता ने नगरायुक्त शिपू गिरि तथा समिति की सचिव व कर निर्धारण अधिकारी श्रुति महेश्वरी ने प्रशिक्षक अंकुर अग्रवाल व पार्षद ज्योति अग्रवाल को बुके भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

डीएम की अध्यक्षता में संचारी रोग नियंत्रण/दस्तक अभियान के तैयारियों की हुई समीक्षा

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के अन्तर्गत अन्तर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित हुई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी उपस्थित रहे। बैठक में जिलाधिकारी ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रमों की ग्रामीण स्तर पर कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों जैसे- आशा, एएनएम, आँगनबाड़ी कार्यकत्री सहित अन्य के द्वारा किये जा रहे कार्यो में गुणवत्ता एवं प्रगति की मॉनीटरिंग संबंधित चिकित्सा अधिकारी को करते रहने हेतु निर्देशित किया तथा कहा कि किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा लापरवाही पाये जाने पर संबंधित आशा/ए0एन0एम0 के विरूद्व कार्य करें। संबंधित एमओआईसी अपने अधीनस्थ ग्रामीण स्तर पर कार्यरत स्वास्थ्य कार्यकत्रियों का रूटीन रजिस्टर/आशा डायरी का भी निरीक्षण करें तथा गावों में भ्रमण के दौरान कार्यो का सत्यापन एवं आम जनता का फीडबैक भी लें। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 रामानुज कनौजिया द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद में दिनांक 01 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण/दस्तक अभियान चलाया जाएगा, जिसमें दिनांक 10 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक दस्तक अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसमें स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य सम्बंधित विभागों की समन्वयता के साथ संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम/दस्तक अभियान व जन जागरूकता कार्यक्रम के बारे में आम जनमानस को जागरूक करने के साथ-साथ वेक्टर वार्न डिजीज सहित अन्य संचारी रोगों की स्थिति, बचाव, उपचार के बारे में आम जनमानस को जागरूक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसकी मॉनीटरिंग डब्लू0एच0ओ0 व यूनीसेफ सहित अन्य स्वास्थ्य सम्बंधी ऑगेनाईजेशन द्वारा की जायेगी। जिलाधिकारी ने संचारी रोग नियंत्रण/दस्तक अभियान हेतु चलाये जा रहे अभियान एवं प्रयासों आदि में अब तक की गयी तैयारियों व विभिन्न स्तरों पर समन्वय समिति की बैठकों की प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए सभी सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों एवं चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिए कि आपसी समन्वयता बनाकर अभियान के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु ग्रामीण स्तर पर कार्यरत स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर लोगो को जागरूक करें। जिलाधिकारी ने समस्त चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया कि उक्त अभियान की जमीनी स्तर पर सफलता के दृष्टिगत सभी चिकित्सा अधिकारी अपने-अपने विकासखंडों पर बैठक कर माइक्रो प्लान बना लें और अपनी कार्य योजना आगामी 27 मार्च तक अवश्य उपलब्ध करा दें। जिलाधिकारी ने माध्यमिक शिक्षा एवं बेसिक शिक्षा विभाग को विशेष रूप से निर्देशित किया कि विद्यालयों में संचारी रोगों से नियंत्रण एवं बचाव के प्रति बच्चों को जागरूक किया जाए। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि दिनांक 10 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक चलाये जाने वाले दस्तक अभियान के तहत ग्रामीण स्तर पर कार्यरत स्वास्थ्य कर्मी, आशा कार्यकत्री, ए0एन0एम0 द्वारा घर-घर जाकर ए0ई0/जे0ई0/बुखार रोगियों को चिन्हित करना एवं उनको तेज बुखार होने पर 102/108 एम्बुलेंस द्वारा नजदीकी सीएचसी/पीएचसी पर भेजने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दस्तक अभियान के तहत घर-घर जाकर टीम दस्तक देगी और सभी घरों के कूलर, पुराने टूटे बर्तन, मिटटी के गमले, पॉटस, टायर, फ्रीज के पीछे की ट्रे, पानी स्टोर के बर्तन आदि को चेक करेंगी तथा संचारी रोगों से बचाव हेतु सुरक्षात्मक उपायों को अपनाने के प्रति लोगों को जागरूक करेंगी। जिलाधिकारी ने जनपद में संचारी रोग नियत्रंण अभियान को सफल बनाने के दृष्टिगत कृषि, पशुपालन नगरपालिका, नगर निकाय, पंचायतीराज सहित सम्बंधित विभागों को स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वयता बना कर अपने विभागीय कार्यो एवं उत्तरदायित्वों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से सम्पादित करने के निर्देश दिये। उन्होंने संचारी रोगों से बचाव हेतु नगर विकास विभाग सहित नगर पालिका परिषद को साफ सफाई, नालियों की सफाई, अपशिष्ट जल निकासी, फॉगिंग कराते रहने का निर्देश दिया है तथा ग्रामीण स्तर पर ग्राम प्रधानों तथा निगरानी समितियों के माध्यम से संचारी रोगों से बचाव के प्रति बच्चों महिलाओं आदि को घर-घर दस्तक देकर जागरूक करने का भी निर्देश दिया है। उन्होंने जनपद में संचारी रोगो के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष संवेदनशीलता बरतने का निर्देश दिया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 रामानुज कनौजिया, प्रभागीय बनाधिकारी हरिकेश यादव सहित स्वास्थ्य समिति के सदस्यगण, स्वास्थ्य संस्थाओं के प्रतिनिधि व संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से महाकुंभ 2025 में उत्कृष्ट सुरक्षा व्यवस्था हेतु क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद को मिला सेवा मेडल

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने महाकुंभ 2025, प्रयागराज के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद अमित कुमार को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए मिलने 'महाकुंभ सेवा मेडलह्व एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। बृहस्पतिवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम में महोदय द्वारा सेवा मेडल लगाकर उनके कार्यों की सराहना की गई । ड्यूटी के दौरान अमित कुमार द्वारा न केवल कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखा गया, बल्कि श्रद्धालुओं की सहायता, यातायात नियंत्रण एवं भीड़ प्रबंधन में भी अद्भुत कार्यकुशलता का परिचय दिया गया । उल्लेखनीय है कि विश्व के सबसे बड़े समागम महाकुंभ 2025, प्रयागराज का आयोजन विभिन्न आयामों में अभूतपूर्व एवं अद्वितीय रहा, जिसके फलस्वरूप इस आयोजन को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विशेष प्रतिष्ठा प्राप्त हुयी । इस महाआयोजन में सुरक्षा व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने में श्री अमित कुमार द्वारा उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय योगदान दिया गया । उनके इस विशिष्ट योगदान की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए महोदय द्वारा उन्हें महाकुंभ सेवा मेडल से सम्मानित किया गया । इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी धनघटा श्री अभयनाथ मिश्रा सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गयी ।

किसानों को एक विशिष्ट डिजिटल पहचान प्रदान करती है, जिससे दस्तावेजों के झंझट से मुक्ति मिलती है: राकेश सोनी

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। बृहस्पतिवार को सेमरियावां ब्लाक परिसर में फार्मर रजिस्ट्री अभियान अंतर्गत विकास खण्ड स्तरीय कैंप का आयोजन किया गया। इस दौरान किसानों को फार्मर रजिस्ट्री के फायदे सहित अन्य बिन्दुओ की जानकारी दी गयी।

सेमरियावां ब्लाक परिसर में बृहस्पतिवार को फार्मर रजिस्ट्री अभियान अंतर्गत विकास खण्ड स्तरीय कैंप क आयोजन किया गया। इस दौरान सहायक विकास अधिकारी(कृषि) राकेश सोनी ने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री भारत सरकार की एग्रीस्टैक पहल के तहत किसानों का एक डिजिटल डेटाबेस है, जिसके अंतर्गत किसानों को 11 अंकों की एक विशिष्ट 'किसान आईडी' प्रदान की जाती है। यह आईडी आधार कार्ड से लिंक होती है और इसमें किसान की व्यक्तिगत जानकारी, भूमि के मालिकाना हक और फसलों का

विवरण शामिल होता है। पीएम किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, और कृषि सब्सिडी जैसी योजनाओं का लाभ सीधे और पारदर्शी तरीके से पाने के लिए यह पंजीकरण अनिवार्य है।

दुधारा निवासी विकास जायसवाल ने नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में जिले में 11 वीं रैंक लाकर बढ़ाया मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। दी शान सेंट्रल एकेडमी दुधारा के छात्र व दुधारा निवासी विकास जयसवाल पुत्र विजय कुमार ने नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में जनपद में 11वीं रैंक हासिल की है। यह उपलब्धि उन्होंने विद्यालय के शिक्षक अमन वसी की निगरानी में हासिल किया है। विद्यालय के प्रबंध निदेशक हाजी वसी अहमद खान ने बृहस्पतिवार को एक विशेष कार्यक्रम में शील्ड देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि कोई भी लक्ष्य कठिन नहीं होता बल्कि उसे प्राप्त करने के लिए जूनून होना चाहिए। हमारे विद्यालय के होनहार छात्र विकास जायसवाल ने अपनी लगन और कड़ी मेहनत के दम पर यह उपलब्धि हासिल कर जिले का मान बढ़ाया है।

रोजेदार के लिए समुद्र की मछलियां दुआ करती है- शोएब अहमद नदवी

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। अल्लाह ने हमें रमजान मुबारक जैसा महान और नेमतों से भरा महीना अता फरमाया, जो तमाम महीनों का सरदार है। इसके दिन और रातों में अल्लाह की रहमतें और बरकतें बारिश की तरह बरसती रहती हैं। उक्त बातें आल इंडिया उलेमा बोर्ड के प्रदेश अध्यक्ष शोएब अहमद नदवी ने कहीं। उन्होंने कहा कि यह रहमत, बरकत, बख्शिश और मगफि रत का महीना है। इसमें रोजेदार के मुंह की खुशबू अल्लाह के यहाँ कस्तूरी और अंबर से भी ज्यादा क ीमती होती है। समुद्र की मछलियाँ रोजेदारों के लिए दुआ करती हैं। हुजूर ने फरमाया कि रोजेदार के लिए समुद्र की मछलियाँ मगफि रत की दुआ करती हैं। रोजाना रोजेदारों के लिए जन्नत को सजाया जाता है और सरकश शैतानों को कैद कर दिया जाता है। इस महीने में दिन-रात दुआएँ कबूल होती हैं। लेकिन यह बरकतों और क ीमत वाला महीना हमारी कमजोर, अधूरी और कोताहियों भरी इबादतों के साथ पलक झपकते ही गुजर गया–पानी की तरह बह गया और बर्फ की तरह धीरे-धीरे पिघल गया। उन्होंने कहा कि आज की रात को 'लैलतुल-जायजा' कहा जाता है। अरबी में 'लैलत' का मतलब है रात, और 'जायजा' का मतलब है इनाम और इकराम। इस रात अल्लाह अपने उन बंदों को, जिन्होंने पूरे महीने रोजे रखे, कुरआन की तिलावत की, फर्ज. और नफ़्ल इबादतें कीं, सदका और खैरात दी–उनकी इबादतों को कबूल फरमा कर उन्हें इनाम और इकराम के साथ मगफि रत अता फरमाते हैं। इसलिए इस मुबारक रात को 'लैलतुल-जायजा' कहा जाता है। इसलिए रमजान जैसे महान महीने के गुजर जाने पर सबसे पहला काम हमें यह करना चाहिए कि हम अल्लाह का शुक्र अदा करें–कि उसने हमें रोजा रखने, तरावीह पढ़ने और अपनी ताकत के मुताबिक कुरआन पढ़ने की तौफीक दी।

सात साल की अरीबा वसीम ने रखा पूरा रोजा, मांगी दुआएं

संतकबीरनगर(वेलकम इंडिया)। विकास खण्ड सेमरियावा के गांव सेमरियावां निवासी अरीबा वसीम 7 वर्षीय पुत्री वसीम अहमद ने इस रमजान में पूरे रोजे रखें। जिसको लेकर परिजनों ने खुशी का इजहार करते हुए ढेर सारी दुआएं दीं। बच्चों के लिए रमजान के दौरान रोजा रखना एक महत्वपूर्ण अनुभव है। जो उन्हें संयम, सहनशीलता और धार्मिक जिम्मेदारी के बारे में सिखाता है। यह पल उनके जीवन में हमेशा यादगार रहेगा। पिता वसीम अहमद ने कहा कि हमारे रमजान का पूरा रोजा रखा। यह देखकर हमें बहुत खुशी हुई और हमारे आंखों से आंसू निकल पड़े कि इतनी छोटी सी उम्र में दिन भर बिना कुछ खाए पिए दिन भर भूखे रहना सब की बस बात नहीं,हमारी अल्लाह से दुआ है कि इन मासूम बच्चों के रोजे को कबूल फरमाए। मुहम्मद परवेज अख्तर, जफीर अली, अतहरूल बारी, अतीक अहमद, तरीकत हुसैन सिद्दीकी आदि ने बधाई दी है।

मायके में रह रही महिला ने फांसी लगाकर की खुदकुशी पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा

बुलंदशहर(वेलकम इंडिया)। अहार क्षेत्र के गांव भगवन्तपुर में मंगलवार की देर शाम को अपने घर के एक कमरे में गले में चुन्नी बांध कर जीवन लीला समाप्त कर ली।परिजन उस कमरे में जरुरी सामान ढूंढने के लिए गए थे। घटना की जानकारी हुई पुलिस को सूचना दी गई। उपनिरीक्षक अनुज कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए। प्रियंका पुत्री दुर्गेश उम्र करीब 23 साल गांव भगवन्तपुर। महिला शादीशुदा थी। अपने मायके में रह रही थी। पुलिस ने पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया गया है कि मृतका का अपनी ससुराल में अनबन हो जाने के कारण अपने मायके में रह रही थी। थाना प्रभारी निरीक्षक भुवनेश कुमार सिंह ने बताया कि अभी इस सम्बन्ध में तहरीर नहीं मिली है।

बेखौफ चोरों ने घर का ताला तोड़ नगदी व जेवरात की चोरी रिपोर्ट दर्ज

शिकारपुर(वेलकम इंडिया)। कोतवाली नगर के मौहल्ला चौक चैनपुरा निवासी धर्मवीर पुत्र भगवान सिंह ने कोतवाली में तहरीर देते हुए बताया कि वह अपने परिवार के साथ राजस्थान के जिला झालाबाड में मजदूरी करने गया था। तभी पड़ोसी आरती पत्नी रिंकू ने फोन पर सूचना देकर बताया कि उसके घर का ताला तोड़कर कुछ लोगों ने चोरी कर ली है। घर आकर धर्मवीर ने देखा तो उसके घर का ताला तोड़कर घर में रखे 20,000 रुपए व 250 ग्राम चांदी के जेवरात चोरी कर लिए गए हैं। उधर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक चंदगीराम ने बताया की मौहल्ला चौक चैनपुरा निवासी धर्मवीर के द्वारा एक प्रार्थना पत्र मिला है। जिसके आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया है पुलिस द्वारा जांच पड़ताल की जा रही है।

आम रास्ते पर बना गड्ढा दे रहा हादसे को न्यौता

बुगरासी(वेलकम इंडिया)। बरहाना गांव में आम रास्ते पर बीएसएनएल के कर्मचारियों द्वारा खोदा गया गड्ढा खुले आम हादसों को न्योता दे रहा है। बुगरासी दौलतपुर मार्ग पर पडने वाले गांव बरहाना में बीएसएनएल के कर्मचारियों द्वारा एक हफ्ते पहले लाईन ठीक करने के लिए आम रास्ते पर गड्ढा खोदकर अपनी लाईन तो ठीक कर गये मगर गड्ढा यूं ही खुला छोड़ गये जिससे हर वक्त हादसे का खतरा बना रहता है। गड्ढे के पास ही बस स्टैंड है जहां महिला बच्चे व बूढे हर समय खडे रहते हैं के कारण हादसे का खतरा और भी बढ जाता है।अगर ये गड्ढा शीध्र बंद ना किया गया तो कोई भी बड़ी घटना घट सकती है। बीएसएनएल के कर्मचारी से फोन पर बात करनी चाही तो किसी ने फोन नही उठाया।

जिला पंचायत अध्यक्ष की अध्यक्षता में एक दिवसीय वृहद रोजगार मेला का हुआ आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। उ०प्र० रोजगार मिशन के अन्तर्गत जिला सेवायोजन कार्यालय संत कबीर नगर तथा हीरालाल रामनिवास पीजी कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में हीरालाल रामनिवास महाविद्यालय खलीलाबाद में एक दिवसीय वृहद रोजगार मेले का आयोजन मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष बलराम यादव ने दीप प्रज्जवलित कर किया। जिला पंचायत अध्यक्ष बलराम यादव ने कहा कि आज के समय में रोजगार केवल जीविका का साधन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान का प्रतीक बन चुका है। जब एक युवा को रोजगार मिलता है, तो केवल उसका ही नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार और समाज का विकास होता है। इसी उद्देश्य से ऐसे मेलों का आयोजन किया जाता है, जहाँ एक ही स्थान पर विभिन्न कंपनियाँ और संस्थान युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं। वृहद रोजगार मेले में लगभग 1238 अभ्यर्थियो ने प्रतिभाग किया जिसमें से 846 अभ्यर्थियों का प्रारंभिक चयन किया गया। कुल 22 कम्पनिया इस रोजगार मेले में सम्मिलित हुई। चयनित अभ्यर्थियों को मुख्य अतिथि द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने कहा कि यह मेला युवाओं को न केवल नौकरी देता है, बल्कि उन्हें अपनी प्रतिभा और कौशल को पहचानने का अवसर भी प्रदान करता है। आज का युग कौशल (ेापससे) का युग है। केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि आपके हुनर, आपकी मेहनत और आपका आत्मविश्वास ही आपकी असली पहचान है। मैं सभी युवाओं से कहना चाहूँगा कि इस अवसर का भरपूर लाभ उठाएँ। अपने अंदर आत्मविश्वास रखें, सकारात्मक सोच रखें और नई-नई चीजें सीखने के लिए हमेशा तैयार रहें। इस अवसर पर माधवी उपाध्याय जिला सेवायोजन अधिकारी ने कार्यक्रम की व्यवस्थित रूपरेखा प्रस्तुत किया। महाविद्यालय के प्लेसमेंट सेल प्रभारी डॉ विजय कुमार मिश्र ने कार्यक्रम का संचालन किया।

सीआरपीएफ 95 बटालियन परिसर में निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। नई सुबह संस्थान वाराणसी द्वारा 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व सुरक्षा बल वाराणसी के प्रांगण में एक निशुल्क चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन कमांडेंट 95 बटालियन राजेश्वर बालापूरकर द्वारा किया गया। संस्थान के निदेशक एवं मनो चिकित्सक डॉ अजय तिवारी जवानों के मानसिक स्वास्थ्य पर व्यापक रूप से प्रकाश डाला साथ ही अपनी व्यस्त क्रियाकलाप के बीच मानसिक स्वस्थ रहने का उपाय भी बताया। नई सुबह के पंचकर्म विशेषज्ञ डा.सुरेंद्र कुमार तथा बाल रोग विशेषज्ञ डा.राहुल शर्मा ने जवानों का गहन परीक्षण किया साथ नई सुबह के नैदानिक मनो वैज्ञानिकों ने अपना सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में कमांडेंट राजेश्वर बालापुरकर ने सभी चिकित्सकों का अंगवस्त्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया तथा इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए नई सुबह संस्था का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में अनुराग तिवारी,सुशील दूबे व 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की तरफ से शिवमोहन दीक्षित, रंजन सिंह सहायक कमांडेंट एवं भारी संख्या में वाहिनी के जवानों ने भाग लिया।

ईद की रात बहुत कीमती है इबादत में गुजारें- मुनीर नदवी

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। अल्लाह ने हमें रमजान मुबारक जैसा महान और नेमतों से भरा महीना अता फरमाया,

जो तमाम महीनों का सरदार है। इसके दिन और रातों में अल्लाह की रहमतें और बरकतें बारिश की तरह बरसती रहती हैं। यह रहमत, बरकत, बख्शिश और मगफि रत का महीना है। इसमें रोजेदार के मुंह की खुशबू अल्लाह के यहाँ कस्तूरी और अंबर से भी ज्यादा क ीमती होती है। समुद्र की मछलियाँ रोजेदारों के लिए दुआ करती हैं।

हुजूर ने फरमाया कि रोजेदार के लिए समुद्र की मछलियाँ मगफि रत की दुआ करती हैं। रोजाना रोजेदारों के लिए जन्नत को सजाया जाता है और सरकश शैतानों को कैद कर दिया जाता है।

इस महीने में दिन-रात दुआएँ कबूल होती हैं। लेकिन यह बरकतों और क ीमत वाला महीना हमारी कमजोर, अधूरी और कोताहियों भरी इबादतों के साथ पलक झपकते ही गुजर गया–पानी की तरह बह गया और बर्फ की तरह धीरे-धीरे पिघल गया। आज की रात को 'लैलतुल-जायजा' कहा जाता है।

अरबी में 'लैलत' का मतलब है रात, और 'जायजा' का मतलब है इनाम और इकराम। इस रात अल्लाह अपने उन बंदों को, जिन्होंने पूरे महीने रोजे रखे, कुरआन की तिलावत की, फर्ज. और नफ़्ल इबादतें कीं, सदका

और खैरात दी–उनकी इबादतों को कबूल फरमा कर उन्हें इनाम और इकराम के साथ मगफि रत अता फरमाते हैं। इसलिए इस मुबारक रात को 'लैलतुल-जायजा' कहा जाता है। इसलिए रमजान जैसे महान महीने के गुजर जाने पर सबसे पहला काम हमें यह करना चाहिए कि हम अल्लाह का शुक्र अदा करें–कि उसने हमें रोजा रखने, तरावीह पढ़ने और अपनी ताकत के मुताबिक कुरआन पढ़ने की तौफीक दी।

जिन लोगों ने एतिकाफ किया और जिनको अल्लाह ने माल दिया, उन्होंने जकात, सदका और खैरात देकर गरीबों का सहारा बने–ये सब इबादतें भी अल्लाह की तौफीक से ही हुई हैं।

तो इस मौके पर हमें कहना चाहिए: 'ऐ अल्लाह ! तेरा हम पर बड़ा एहसान है कि तूने हमें रमजान जैसा मुबारक महीना अता फरमाया और अपनी रहमतों से हमारे खाली दामन भर दिए।'

इस शुक्र का फायदा यह होगा कि अल्लाह हमारी नेमतों में इजाफा करेगा। अल्लाह फरमाता है: 'अगर तुम शुक्र करोगे तो मैं तुम्हें और ज्यादा दूंगा, और अगर नाशुक्रे बनोगे तो मेरा अजाब बहुत सख्त है।'

इससे पता चलता है कि रमजान एक बहुत बड़ी नेमत है, जो हमें सिर्फ अल्लाह के फज्ल से मिली है, हमारा कोई हक नहीं था।

इसलिए इस मुबारक रात 'लैलतुल-जायजा' में हमें अल्लाह का शुक्र अदा करना है और सच्चे दिल से तौबा करनी है। क्योंकि इंसान होने के नाते हमसे इबादतों में गलतियाँ भी हुई हैं।

हमें कहना चाहिए: 'ऐ अल्लाह ! हमसे जो गुनाह हुए–चाहे हमें याद हों या न हों–सबको माफ फरमा दे। रोजों, तरावीह, तिलावत, सहरी और इफ्तार में जो भी कोताहियाँ हुईं, उन्हें भी माफ फरमा दे।' यह रात (ईद की रात) बहुत कीमती है, इसलिए इसे इबादत में गुजारना चाहिए।

लेकिन ध्यान रखें कि इस रात को फुजूल कामों में बर्बाद न करें–जैसे सड़कों पर शोर-शराबा, गाड़ियों की रेस, या बेकार की बैठकों और गपशप में समय गंवाना। बल्कि इस रात को इबादत, दुआ, तौबा और इस्तिगफार में गुजारें।

फिर अल्लाह का नाम लेकर सो जाएँ और सुबह फज्र की नमाज खुशी और ताजगी के साथ अदा करें। अल्लाह तआला हमारी तमाम इबादतों को कबूल फरमाए, हमें जहन्नम से निजात अता करे और बार-बार रमजान की बरकतों से नवाजे।

वाराणसी में 'विकसित भारत' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न, समन्वित विकास मॉडल पर जोर

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। डॉ. घनश्याम सिंह महाविद्यालय, सोयेपुर, लालपुर, वाराणसी में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'पर्यावरण, अर्थव्यवस्था, संस्कृति और तकनीकः विकसित भारत की ओर एक मार्ग' का सफल समापन हुआ। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (क्ळररफ) द्वारा प्रायोजित इस संगोष्ठी में देशभर के विद्वानों ने 'विकसित भारत' के निर्माण में बहुआयामी समन्वय की आवश्यकता पर गहन विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम का उद्घाटन माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं संस्थापक को पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। संस्थान के प्रबंधक नागेश्वर सिंह एवं प्रशासक संजीव सिंह ने अतिथियों का स्वागत स्मृति-चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंट कर किया। प्लेनरी सत्र का संचालन डॉ. रचना पांडे ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. ज्योति द्वारा प्रस्तुत किया गया।

मुख्य वक्ता प्रो. रवींद्र जयभाये (सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय एवं इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ ज्योग्राफी) ने शहरीकरण और जैव-विविधता के मध्य संतुलन की चुनौती को रेखांकित करते हुए सतत विकास के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने पर बल दिया। प्रो. एस. बी. सिंह ने ग्रामीण-आधारित विकास मॉडल को भारतीय संदर्भ में अधिक प्रासंगिक बताते हुए अन्ना हजारे एवं राजेंद्र सिंह के उदाहरण प्रस्तुत किए।

विशिष्ट अतिथि प्रो. होसला प्रसाद ने नवीकरणीय संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग को आर्थिक विकास की आधारशिला बताया।

समापन समारोह कि अध्यक्षता प्रो. प्रेम नारायण सिंह ने किया उन्हों कहा कि...केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान के प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी ने वैश्विक पर्यावरणीय चुनौतियों की ओर ध्यान आकर्षित किया, जबकि प्रो. तारेश्वर सिंह ने वैश्विक ऊष्मीकरण और जनसंख्या वृद्धि के पर्यावरणीय प्रभावों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। प्रो. आर. पी. द्विवेदी ने भारतीय सांस्कृतिक ज्ञान और प्राचीन ग्रंथों की प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए कहा कि तकनीकी प्रगति तभी सार्थक होगी जब उसे भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ा जाए। प्रो. उमा शंकर सिंह ने शिक्षा, परिवार, तकनीक और समाज के बीच संतुलन को समग्र विकास की अनिवार्य शर्त बताया। समापन सत्र का संचालन डॉ. विपुल शुक्ला ने किया। धन्यवाद ज्ञापन भूगोल विभाग की सुश्री खुशबू सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया, जबकि संगोष्ठी का प्रतिवेदन डॉ. अलका वर्मा ने प्रस्तुत किया।

संगोष्ठी के सफल आयोजन में संयोजक डॉ. आनंद सिंह, सह-संयोजक डॉ. स्मिता सिंह आयोजन सचिव डॉ. मुकेश विश्वकर्मा एवं सहित भूगोल विभाग व महाविद्यालय के समस्त शिक्षको का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

यह संगोष्ठी न केवल अकादमिक दृष्टि से सार्थक रही, बल्कि इसने स्पष्ट किया कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय आयामों का संतुलित एवं समन्वित विकास अत्यंत आवश्यक है।

एसडीएम सीओ ने पहासू की कस्बा चौकी परिसर में की पीस कमेटी की मीटिंग

वेलकम इंडिया संवाददाता

पहासू। गुरुवार को थाना पहासू कस्बा पुलिस चौकी परिसर में उपजिलाधिकारी शिकारपुर अरूण कुमार वर्मा व क्षेत्राधिकारी शिकारपुर शशांक श्रीवास्तव द्वारा रमजान व आगामी त्यौहारो के दृष्टिगत आपसी सौहार्द व भाईचारा बनाये रखने हेतु सर्व-समाज की बैठक आयोजित की गयी जिसमे सभी वर्गो के लोगों द्वारा भाग लिया गया। गोष्ठी मे उपस्थित अधिकारीगण द्वारा सभी लोगो से मिलजुल कर रहने तथा त्यौहारो को शान्तिपूर्ण रुप से मनाने एवं आपसी सौहार्द व भाईचारा बनाये रखने की अपील की गयी जिस पर गोष्ठी मे मौजूद सभी वर्गो के संभ्रान्त लोगो द्वारा मिल जुलकर रहने व शान्ति बनाये रखने का आश्वासन दिया गया।

हल्की आंधी बारिश मे ढह गयी पंचायत घर की बाउंड्री, ठेकेदार पर कार्यों में अनियमितता बरतने का आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। बुद्धवार को अगौता विकास खंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत मीरपुर के गांव रायपुर कतौरी में पंचायत घर की बाउंड्री वॉल के हो रहे निर्माण कार्य में ठेकेदार पर घटिया सामग्री लगाकर काम करने का आरोप लगाकर ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया है ग्रामीणों का कहना है कि ठेकेदार से बार-बार कहने के बावजूद निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का इस्तेमाल हो रहा है। बीती रात आई हल्की आंधी बारिश में खेत की तरफ हो रही नौ इंच की बाउंड्री वॉल धडाम से गिर गई, गनीमत रही कि इसके नीचे आकर किसी को कोई जान माल का नुकसान नहीं हुआ, क्योकि तब रात्रि का समय था। वहीं मेन सड़क की तरफ चार इंची की दीवार का निर्माण हो रहा है जिसमें बहुत घटिया सामग्री लगाई जा रही है ग्रामीणों को अंदेशा है कि स्कूल में पढने वाले बच्चों व इस रास्ते पर आवागमन करने वाले ग्रामीणों के साथ कभी भी कोई हादसा हो सकता है। इसको लेकर ग्रामीण काफी गुस्से में नजर आ रहे हैं उनका कहना है कि बार-बार ठेकेदार से कहने के बावजूद अपनी मनमर्जी से कार्य कर रहे हैं इनके द्वारा कराये जा रहे कार्यों में अनियमितता की वजह से कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। अगर ऐसा हुआ तो इसकी जवाबदेही किसकी होगी। इस संबंध में ग्रामीणों का कहना है कि अगर कार्यो को गुणवत्ता पूर्वक कार्य नही किया गया तो ग्रामीण ब्लॉक मुख्यालय या जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। वहीं इस संबंध में कार्य करा रहे ठेकेदार का कहना है कि ये दीवार अज्ञात लोगों ने जानबूझकर गिराई है। इस मामले में शिकायद दर्ज कराके उचित कार्रवाई की मांग की जाएगी। घटना की सूचना पाकर ग्राम पंचायत सचिव रूपेन्द्र शिशोदिया ने भी निरीक्षण किया। फोन पर हुई बातचीत के अनुसार अगौता ब्लॉक सहायक विकास अधिकारी का कहना है। कि मामला संज्ञान में है मामले में जांच कराकर उचित कार्रवाई की जाएगी। प्रदर्शन करने में इश्त्याक मास्टर, सचिन कुमार,शराफत खां, सनोवर अली, इंतजार अली, कलवा डीलर, हसरत खां, जुल्फेकार खां, नीटू, किरन, सावित्री, महेशवती, सूपन, भूरी आदि ग्रामीण उपस्थित रहे।

जहाँगीराबाद,में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया बाला जी महाराज का भव्य कार्यक्रम, बालाजी के जयकारों से गूंजा पांडाल

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। नगर के चमेली देवी बारात घर में बाला जी महाराज का भव्य जगराता बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर बाबा के भजनों का आनंद लिया और आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रदीप शर्मा एवं राजीव खदाना व विशिष्ट अतिथि कोतवाली प्रभारी संजेश कुमार,कोतवाली प्रभारी अनूपशहर धर्मन्द्र शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से नमस्कर दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद वृंदावन से आईं कलाकार गोरी और साक्षी ने अपने मधुर भजनों से ऐसा समां बांधा कि श्रद्धालु देर रात तक झूमते नजर आए।

कार्यक्रम के आयोजक गौरव बाला जी ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी भक्तगण जहांगीराबाद से झंडा यात्रा निकालकर मेहंदीपुर बालाजी धाम में झंडा चढ़ाते हैं और वहां से लौटकर जगराते का आयोजन करते हैं, जिसमें सभी भक्त प्रसाद ग्रहण कर बाबा का आशीर्वाद लेते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इस अवसर पर बाला जी महाराज का केक काटा गया तथा श्रद्धालुओं के लिए 151 उपहारों की विशेष व्यवस्था की गई, जिसकी बौछार कर भक्तों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम देर रात तक भक्ति रस में सराबोर वातावरण के बीच चलता रहा।

श्री हरिनाम भजन संध्या समिति बड़ौत ने धूमधाम के साथ मनाया 10 वां वार्षिकोत्सव

विवेक जैन

बागपत(वेलकम इंडिया)। बड़ौत नगर के श्री महाराजा अग्रसेन भवन में हिन्दू नववर्ष की पूर्व संध्या पर श्री हरिनाम भजन संध्या समिति बड़ौत द्वारा अपना 10 वां वार्षिकोत्सव बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। आयोजित कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष व रालोद के वरिष्ठ नेता अश्वनी तोमर, भाजपा जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा, नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष डॉ दुष्यंत तोमर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। समिति की और से सभी अतिथियों को तिलक लगाकर, माला व पटका पहनाकर व विभिन्न देवी-देवताओं के चित्र, मूर्ति व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में श्री हरिनाम भजन संध्या समिति बड़ौत सहित विभिन्न धार्मिक संस्थाओं से जुड़े प्रसिद्ध भजन गायको ने एक से बढ़कर एक भजन सुनाकर उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम में आकर्षित झांकिया, बच्चों के गेम व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहे। समिति की तरफ से कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए कार्यकारिणी समिति के प्रमोद गुप्ता, सचिन कुमार गुप्ता, आशीष वर्मा, योगेश लखेरा, सत्यवीर शर्मा, प्रवीण प्रजापत, संजीव गॉधी, सुरेन्द्र प्रजापत, कुलदीप कायस्थ, नमन गुप्ता, आशीष गुप्ता, संजय गुप्ता, दीपांशु वर्मा, बाबूराम, रविन्द्र आर्य सहित समस्त संरक्षकगणों, सहयोगी संस्थाओं, सहयोगियों, आये अतिथियों व श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया गया।

मंच का संचालन केएचआर इण्टर कॉलेज खामपुर लुहारी के प्रवक्ता व सुप्रसिद्ध समाजसेवी सचिन गुप्ता व श्री लवकुश रामलीला कमेटी के अध्यक्ष डॉ मनोज बिश्नोई द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। सचिन गुप्ता ने बताया कि श्री हरिनाम भजन संध्या समिति बड़ौत द्वारा प्रत्येक माह के केवल पहले सोमवार को भजन संध्या का आयोजन निशुल्क किया जाता है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर समिति की और से सभी को हिन्दू नववर्ष की शुभकामनाएं दी गयी। इसके उपरान्त श्री श्याम बालाजी सेवा समिति बड़ौत व श्री शिव शक्ति जागरण मंच बड़ौत की और से लगाये गये भंडारा प्रसाद में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

एसएसपी द्वारा पुलिस को मिली 15 नई पीआरवी गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। उ0प्र0 शासन से बुलंदशहर पुलिस को डायल-112 आपातकालीन सेवा के अंतर्गत 15 नई अत्याधुनिक पीआरवी (Police Response Vehicle) गाड़ियां प्राप्त हुई हैं, जिनका उद्देश्य आमजन को त्वरित एवं प्रभावी पुलिस सहायता उपलब्ध कराना है। गुरुवार को रिजर्व पुलिस लाइन बुलंदशहर परिसर से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह द्वारा इन नई पीआरवी गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। नई गाड़ियों के संचालन से डायल-112 सेवा और अधिक सुदृढ़ होगी तथा जनपद के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस की प्रतिक्रिया समय (Response Time) में उल्लेखनीय सुधार आएगा। साथ ही आपातकालीन स्थितियों जैसे दुर्घटना, अपराध, विवाद आदि में तत्काल सहायता सुनिश्चित की जा सकेगी।उक्त पीआरवी गाड़ियों में आधुनिक संचार उपकरण, जीपीएस सिस्टम एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे घटनास्थल तक शीघ्र पहुंचकर प्रभावी कार्यवाही की जा सके।इन नयी गाड़ियों का संचालन थाना कोतवाली नगर, कोतवाली देहात, अगौता, सिकन्द्राबाद, गुलावठी, चोला, बीबीनगर, खुर्जा नगर, खुर्जा देहात, अरनिया, अहमदगढ, अहार, अनूपशहर, जहांगीराबाद में किया जायेगा।

पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच माता बेलौन भवानी के लाखों श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर(रामघाट)। माता बेलौन भवानी मंदिर पर चैत्र मास के प्रथम नवरात्रि के दिन पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच लाखों श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना के साथ माता शैलपुत्री की पूजा के साथ दर्शन कर मनोकामनाएं मांगी एसडीएम सीओ ने मेला का निरीक्षण कर ड्यूटी में लगे अधिकारी कर्मचारीयों को दिए सख्त निर्देश । आपको बता दें जनपद बुलंदशहर के नरौरा गंगा घाट से पांच किलोमीटर दूरी पर माता बेलौन भवानी का मंदिर है यहां पर प्रथम नवरात्रि के दिन भक्तजन मथुरा वृंदावन राजस्थान दिल्ली हरियाणा एटा मैनपुरी इटावा फिरोजाबाद बदायूं मुरादाबाद बुलंदशहर अलीगढ़ आदि प्रदेश जनपदों से आकर रात्रि में विश्राम कर सुबह स्नान करने के बाद सुबह 4:00 से ही मां बेलौन भवानी मैया के दर्शन करने के नारियल चुनरी प्रसाद अगरबत्ती आदि थाली सजाकर मां के दरबार में अपनी मनोकामनाओं को लेकर दर्शन करने लाइन में माता की जय घोषों के साथ खड़े हो जाते हैं अपनी इच्छा अनुसार माता के दरबार में सोने चांदी के आभूषण रुपए आदि चढ़ावा चढ़ाकर दर्शन कर अपने गंतव्य स्थान को जाते देखा गया प्रथम नवरात्रि के दिन बेलौन में माता के गीत जयकारों के साथ गूंज उठा मंदिर के आसपास सज धज कर लगी दुकानों पर भक्तजन बड़े उत्साह के साथ कड़े माला माथे का सिंदूर बच्चों के खेल खिलौने गुड़िया माता की तस्वीर आदि सामानों को बड़े उत्साह के साथ खरीदते देखा गया माता बेला भवानी के मंदिर पर बेलौन पुलिस चौकी प्रभारी दिलीप कुमार अपनी पुलिस टीम के साथ मुस्तैदी से तैनात रहकर पूर्ण सुरक्षा व्यवस्था बनाए हुए हैं जिससे किसी श्रद्धालु को किसी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न ना हो उसके लिए रात दिन एक कर पूर्ण सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखे हुए हैं। उप जिलाधिकारी मनीष कुमार के सख्त निदेर्शानुसार खंड विकास अधिकारी विनोद कुमार शर्मा ने सफाई कर्मी टीम को भेज कर साफ सफाई कराई है सफाई कर्मी लगातार गंदगी को उठाने के लिए लगे हुए हैं प्रकाश व्यवस्था भी कराई गई है।

कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर ई-रिक्शा लूटा, दो दिन बाद आया होश

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। शिकारपुर क्षेत्र में ई-रिक्शा चालकों को निशाना बनाने वाले गिरोह सक्रिय हैं। शिकारपुर में एक शातिर लुटेरे ने जहांगीराबाद से भाड़े पर लाए गए ई-रिक्शा चालक को नशीला पदार्थ पिलाकर लूट की वारदात को अंजाम दिया। चालक को दो दिन बाद अस्पताल में होश आया, जिसके बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जहांगीराबाद के मोहल्ला आहनग्रान निवासी पीड़ित चालक अशरफ ने बताया कि वह ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पेट पालता है। 8 मार्च की सुबह करीब 10 बजे चांदौक दोराहे से एक व्यक्ति ने शिकारपुर अस्पताल से मरीजों को लाने के बहाने उसका रिक्शा बुक किया। शिकारपुर अस्पताल पहुंचने पर आरोपी ने चालक को 200 रुपये दिए और उसे बाजार से बिरयानी लाने को कहा। जब अशरफ बिरयानी लेकर लौटा, तो आरोपी ने उसे विश्वास में लेकर कोल्ड ड्रिंक पिलाई। कोल्ड ड्रिंक पीने के महज 15-20 मिनट बाद ही अशरफ बेहोश होकर वहीं गिर पड़ा। बेहोशी की हालत में किसी राहगीर ने अशरफ को अस्पताल में भर्ती कराया। 10 मार्च को जब उसे होश आया और उसने अपने ई-रिक्शा के बारे में पूछा, तो पता चला कि रिक्शा गायब है। लुटेरा चालक को बेहोशी की हालत में छोड़कर रिक्शा लेकर रफूचक्कर हो गया था। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अज्ञात आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, आरोपी की पहचान कर उसे जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बेहोशी की हालत में किसी राहगीर ने अशरफ को अस्पताल में भर्ती कराया।

रामनगर में पेयजल योजना का शुभारंभ, विधायक ने किया जल अर्पण

विजय द्विवेदी

प्रतापगढ़(वेलकम इंडिया)। विकास खंड सदर के अंतर्गत ग्राम रामनगर में पेयजल योजना के अंतर्गत 'जल अर्पण कार्यक्रमह्व का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य द्वारा किया गया। इस अवसर पर विधायक सदर द्वारा पेयजल योजना के अंतर्गत उपलब्ध कराई जा रही जलापूर्ति व्यवस्था का प्रतीकात्मक रूप से जल अर्पण करते हुए ग्राम प्रधान रामनगर को सुपुर्द किया गया, जिससे ग्रामवासियों को स्वच्छ एवं नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम के दौरान विधायक सदर ने ग्रामवासियों से संवाद कर पेयजल योजना के संचालन एवं जलापूर्ति की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की। ग्रामवासियों ने बताया कि योजना के माध्यम से गांव में निरंतर एवं सुचारू रूप से जलापूर्ति हो रही है, जिससे ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। विधायक सदर ने ग्रामवासियों से जल संरक्षण के प्रति जागरूक रहने तथा पानी का अनावश्यक व्यर्थ न करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों द्वारा जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु प्रभात फेरी भी निकाली गई, जिसमें बच्चों ने जल बचाने का संदेश दिया।

कपसेठी पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुये नाबालिग अपहृता की सकुशल बारामदगी व एक नफर अपहरणकर्ता को किया गिरफ्तार

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट वाराणसी द्वारा जुर्म एवं जरायम के रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में व पुलिस उपायुक्त गोमती जोन कमिश्नरेट वाराणसी व अपर पुलिस उपायुक्त गोमती जोन एवं सहायक पुलिस आयुक्त राजातालाब गोमती जोन कमिश्नरेट वाराणसी के निर्देशन व प्रभारी निरीक्षक के कुशल मार्गदर्शन में रोकथाम जुर्म जरायम व विभिन्न मुकदमों में वांछित वारंटियों/अभियुक्तो के गिरफ्तारी व अपहृता/पीड़िता की तलास पतारसी सुरागरसी व बरामदगी के क्रम में उप निरीक्षक अभय प्रताप मय हमराही कर्मचारीगण के क्षेत्र मे मौजूद थे। मुखबीर खास की सूचना पर एक नफर नाबालिग अपहृता/पीड़िता गुड़िया (परिवर्तित नाम) निवासिनी थाना कपसेठी कमिशनरेट वाराणसी उम्र 15 वर्ष की सकुशल बरामदगी व एक नफर वांछित अपहरणकर्ता/अभियुक्त आकाश कुमार पुत्र रामजी राजभर निवासी ग्राम दाँदूपुर जईपुर थाना कपसेठी जनपद वाराणसी उम्र करीब 23 वर्ष सम्बन्धित मु0अ0सं0- 37/2026 धारा 137(2) बीएनएस थाना कपसेठी कमिश्नरेट वाराणसी को चोरघट्टा पुल वहद ग्राम सरांवा से हिरासत पुलिस मे लिया गया। गिरफ्तारी सर्वोच्च न्यायालय व मानवाधिकार आयोग के आदेशों का अक्षरशः पालन किया गया। गिरफ्तारी की सूचना अभियुक्त के भाई अशोक राजभर को जरिये दूरभाष मोबाईल नम्बर 7317891299 पर दिया गया। बरामद अपहृता/पीड़िता गुडिया को मिशन शक्ति टीम की महिला कांस्टेबल श्रद्धा अग्रहरि के निगरानी में महिला हेल्प डेस्क पर रखते हुये उसके परिजनों को सूचित किया गया। अभियुक्त उपरोक्त को नियमानुसार पुलिस हिरासत में लेकर आवश्यक कार्यवाही कर न्यायालय उपरोक्त के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु भेजा गया। पुलिस के द्वारा बताया गया की अभियुक्त से पूछताछ करने पर आकाश कुमार पुत्र रामजी राजभर निवासी ग्राम-दाँदूपुर जईपुर थाना कपसेठी जनपद वाराणसी उम्र करीब 23 वर्ष ने अपने जुर्म की स्वीकार करते हुये बताया कि साहब मैं गुड़िया उपरोक्त से शादी करना चाहता था जिसके लिये हम दोनों घर से बिना बताये चले गये थे।

भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया ने किया देवी मेले का उद्घाटन

मेले परस्पर प्रेम सद्भाव एवं विकास के परिचायक होते है: सिसोदिया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया ने धार्मिक मेलों को देश की सांस्कृतिक धरोहर बताते हुए कहा कि मेले परस्पर प्रेम सद्भाव एवं विकास के परिचायक होते है।

सत्येंद्र सिसोदिया यहां गांव सीकरी खुर्द में प्रारम्भ पौराणिक एवं धार्मिक महामाया देवी मेले का उद्घाटन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुजनों की धार्मिक भावनाओं से संबद्ध महामाया देवी मेले को और अधिक आकर्षक व्यवस्थित तथा सामजोपयोगी बनाने में शासन, प्रशासन की एक अहम भूमिका होती है। अतः पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों तथा मेला समिति से जुडे लोगों का यह कर्तव्य है कि वे मेले को और अधिक विकसित तथा जनकल्याणकारी बनाए साथ ही विभिन्न राज्यों के दूर दराज क्षेत्रों से मेले में आने वाले श्रद्धालु दर्शनार्थियों की सुरक्षा एवं जन सुविधाओं का पूरा ध्यान रखें ताकि आने वाले श्रद्धालु यहां से एक अच्छा संदेश लेकर जाए।

महामाया देवी मंदिर परिसर में चैत्र के नवरात्रों में हर वर्ष मेला लगता है। जिसमें लाखों की संख्या में श्रद्धालु दूर-दराज से आते है।

गुरुवार को मंदिर के मुख्य पुजारी पंड़ित देवेंद्र कुमार ने पूजा अर्चना विधि विधान के साथ की। इसके बाद श्रद्धालुओं ने प्रसाद चढ़ाना शुरू कर दिया। मंदिर के मुख्य पुजारी के अनुसार, पहले दिन लगभग 40 हजार श्रद्धालुओं ने प्रसाद चढ़ाया है।

इस अवसर पर पालिका चेयरमैन विनोद वैशाली, भाजपा के वरिष्ठ नेता सत्यवीर राघव, सत्येंद्र त्यागी, नरेश अमराला, देवेंद्र चौधरी, प्रदीप बॉस,महराम चंदेला, सभासद नवीन जायसवाल, सभासद वेद प्रकाश चौधरी, संदीप सांगवान, प्रदीप शर्मा, बलराज सिंह, सुबे सिंह, संजय चौधरी,अशोक मुखिया, आकाश शर्मा, निर्दोष खटाना, गौरव मुखिया, जयप्रकाश वशिष्ठ, तीशा गोस्वामी,पिंकल गुर्जर के अलावा तहसीलदार रजत कुमार, एसीपी मोदीनगर भाष्कर वर्मा, पालिका के अधिशासी अधिकारी नरेंद्र मोहन मिश्र,अधिकारी आदि मौजूद थे।

किड्जी मोदीनगर में वार्षिक स्पोर्ट्स डे नन्हा हिंदुस्तान का भव्य आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। किड्जी मोदीनगर में वार्षिक स्पोर्ट्स डे 'नन्हा हिंदुस्तान' बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में खेल भावना, टीमवर्क और आत्मविश्वास को बढ़ावा देना था। सभी नन्हे विद्यार्थियों ने पूरे जोश के साथ विविध खेल गतिविधियों में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रभावशाली मार्च-पास्ट से हुई, जिसके बाद रंगारंग डांस परफॉर्मेंसेज और बच्चों के लिए आयोजित विभिन्न रोमांचक रेस ने पूरे माहौल को ऊर्जा और उत्साह से भर दिया। हर बच्चे को प्रोत्साहित करने के लिए सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए, जिससे उनके चेहरों पर खुशी झलक उठी। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा एवं सावधानी के सभी प्रबंधों का विशेष ध्यान रखा गया। प्रबंधन निदेशक अनमोल बंसल कार्यक्रम में उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों के उत्साह की सराहना की और कहा कि खेल बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि किड्जी मोदीनगर हमेशा अपने स्कॉलर्स को आगे बढ़ने, आत्मविश्वास

विकसित करने और नई चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए प्रेरित करता है। कार्यक्रम में टीचर्स रेस भी आयोजित की गई, जिसने सभी का मनोबल बढ़ाया और आयोजन में एक मजेदार व यादगार पल जोड़ा। कार्यक्रम का संचालन प्रिंसिपल तारिका माटा के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर शिक्षकगण रीता वर्मा, स्नेहा, अन्तिमा, फिजा, ऋतिका, गीता मेहरा, मृदुलिका, आशि, स्वाथी, जेसिका और राशी पूर्ण सहयोग के साथ मौजूद रहे और आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 'नन्हा हिंदुस्तान' का यह स्पोर्ट्स डे बच्चों के लिए सीख, खुशी और उत्साह से भरा एक यादगार उत्सव साबित हुआ।

इंस्पायर मानक अवार्ड में शिक्षा इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा ने मारी बाजी

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। निवाड़ी स्थित शिक्षा इंटरनेशनल स्कूल की 12वीं कक्षा की छात्रा आयुषी त्यागी ने अपनी कुशल वैज्ञानिक प्रतिभा का परचम लहराया है। छात्रा ने रचनात्मकता और वैज्ञानिक नवोन्मेषता को बढ़ावा देने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा संचालित इंस्पायर मानक अवार्ड योजना में शानदार प्रदर्शन किया। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए विद्यालय की छात्रा का चयन किया गया है। इनमें से प्रत्येक विद्यार्थी को भारत सरकार की ओर से जिला-स्तरीय प्रदर्शनी -सह- प्रोजेक्ट प्रतियोगिता के लिए अपना नवोन्मेषी आविष्कार तैयार करने के निमित्त प्रोत्साहन -सह- सहयोग राशि भी प्रदान की गई है।इस उपलब्धि पर विद्यालय के अध्यक्ष श्री नीरज त्यागी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए चयनित छात्रा को बधाई दी। साथ ही, उक्त योजना के आगामी चरणों के लिए अपनी शुभकामनाएं देते हुए पूरे मनोयोग के साथ काम करने और विद्यालय का नाम रोशन करने का संदेश दिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। मुल्तानीमल मोदी कॉलेज, मोदीनगर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन समारोह हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः प्रार्थना एवं योग सत्र से हुई। स्वयंसेवकों द्वारा अपने-अपने शिविर स्थलों पर थैंक्यू रैली निकाली गई, जिसमें ग्रामीणों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया। रैली के दौरान स्वयंसेवकों ने नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से जागरूकता संदेश भी प्रस्तुत किए। सभी स्वयंसेवक शिविर कार्यालय सरस्वती विद्या मंदिर, गदाना (मोदीनगर) में एकत्रित हुए, जहां विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेंद्र कुमार एवं महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. वसुधा शर्मा द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सातों दिनों के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवकों को सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक के रूप में निकुंज एवं सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेविका के रूप में शैली को सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ एंकर का पुरस्कार विदुषी राठी को प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त शिविर के संचालन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले मुकुल शर्मा एवं अंकित,तथा अतुल को भी मेडल प्रदान कर विभिन्न इकाइयों से जुड़े स्वयंसेवकों लक्ष्य, मीत, नंदिनी, वंशिका, सुजाता, दीपा, हर्ष, विशाल, सुमित, जितेंद्र, तुषार, अंचल, तेजस्विनी, विशाखा आदि को उनके सक्रिय सहभागिता के लिए सम्मानित किया गया। इसके बाद स्कूल परिसर में पौधारोपण भी किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की चारों इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अमर सिंह कश्यप, डॉ. कोमल गुप्ता, डॉ. राज कुमार एवं डॉ. शिवांगी त्रिवेदी को सरस्वती विद्या मंदिर की ओर से पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी स्वयंसेवकों को दोपहर का भोजन कराया गया तथा सात दिवसीय विशेष शिविर का औपचारिक समापन किया गया।

भारतीय सेन समाज के पदाधिकारी में ललित सेन का किया स्वागत

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। भारतीय सेन समाज के सभी पदाधिकारियों अध्यक्ष ललित सेन के निवास स्थान पर जाकर उनको नगर पालिका परिषद में नॉमिनेटेड सभासद के पद के लिए उनको शुभकामनाएं और फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत एवं सम्मानित किया । राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय जयंत चौधरी का भारतीय सेन समाज मोदीनगर ने ललित सेन को नॉमिनेटेड सभासद बनाने पर उनका आभार प्रकट किया। सम्मान करने के लिए ललित सेन के घर पर पहुंचे प्रमोद तंवर एडवोकेट सलाहकार, जिला अध्यक्ष श्री अनिल पेंट ,संरक्षक रामकुमार चौहान ,संयोजक वीरेंद्र सेन ललित राजोरिया महासचिव, वीरपाल सेन कोषाध्यक्ष ,वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल सामंत ,रविंद्र मार्गदर्शक, जयकिशन बालियान वरिष्ठ उपाध्यक्ष, नितिन एडवोकेट पूर्व सभासद डॉ संजीव सेन पूर्व सभासद,अंशुल सेन ने पहुंचकर स्वागत एवं सम्मान किया।

अविनाश शर्मा पुन: संगठन के अध्यक्ष निर्वाचित हुए

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। केमिस्ट एसोसिएशन के पंचवर्षीय चुनाव के संदर्भ में तीन पदों के लिए तीन अलग-अलग नामांकन प्राप्त हुए जिसमें अध्यक्ष पद हेतु शर्मा मेडिसिन सेंटर से अविनाश शर्मा महामंत्री पद हेतु एलोरा मेडिकल स्टोर से दिनेश गुप्ता एवं कोषाध्यक्ष पद हेतु मुकेश मेडिकल एजेंसी से बृजभूषण कंसल का आवेदन प्राप्त हुआ इसके अलावा कोई अन्य नामांकन किसी भी पद के लिए प्राप्त नहीं हुआ है अतः तीनों पदों के लिए तीनों पदाधिकारी को 5 साल के लिए निर्विरोध निर्वाचित किया जाता है । जानकारी देवेंद्र गुप्ता गौरव मेडिकल एजेंसी चुनाव अधिकारी मोदीनगर केमिस्ट एसोसिएशन ने दी।

नामित पार्षद बने प्रदीप चौधरी, जाट समाज ने जताया आभार

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। नगर निगम में नामित पार्षद के रूप में प्रदीप चौधरी की घोषणा के बाद जिला जाट समाज में खुशी की लहर दौड़ गई। समाज के प्रमुख पदाधिकारियों और गणमान्य लोगों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और प्रदेश सरकार का आभार जताया। इस अवसर पर जाट समाज के प्रतिनिधि संजय नगर स्थित प्रदीप चौधरी के आवास पर पहुंचे, जहां उन्होंने उन्हें फूलमाला पहनाकर, पटका ओढ़ाकर और मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। उपस्थित लोगों ने कहा कि पार्टी के प्रति लंबे समय से समर्पित और सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में प्रदीप चौधरी को यह जिम्मेदारी मिलना संगठन के लिए गौरव की बात है। समाज के नेताओं ने विश्वास जताया कि प्रदीप चौधरी के नामांकन से न केवल पार्टी को मजबूती मिलेगी, बल्कि क्षेत्र के विकास को भी नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदीप चौधरी हमेशा से समाज सेवा और संगठन के प्रति समर्पित रहे हैं, जिससे समाज में सकारात्मक संदेश जाएगा। इस दौरान चौधरी तेजपाल डबास, अमरजीत सिंह बीडडी, राजकुमार चौधरी, अजय पाल चौधरी, अरुण चौधरी भुल्लन, धर्मेंद्र चौधरी, पवन सहलोत, रविंद्र चौधरी, संग्राम सिंह, राजनगर मंडल अध्यक्ष नीरज त्यागी, देशांक चौधरी, इशांक चौधरी, सागर चौधरी, आयुष चौधरी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रदीप चौधरी ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन और समाज के विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे तथा जनसेवा को ही अपना सर्वोच्च लक्ष्य बनाए रखेंगे।

मैट्रिमोनियल साइट के जरिए करोड़ों की ठगी का पर्दाफाश, विदेशी गिरोह का सरगना गिरफ्तार

कपिल चौहान

नोएडा (वेलकम इंडिया)। साइबर अपराध पर सख्त कार्रवाई करते हुए नोएडा साइबर थाना पुलिस ने एक अंतरराष्ट्रीय ठग गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मैट्रिमोनियल साइट्स के जरिए महिलाओं को प्रेमजाल में फंसाकर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के सरगना को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान सैमुअल ओगुन उर्फ स्टेपनी डेरिक के रूप में हुई है, जो मूल रूप से नाइजीरिया के बेनिन सिटी का निवासी है। आरोपी को हरियाणा के फरीदाबाद से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के अनुसार आरोपी के कब्जे से 5 मोबाइल फोन, 1 लैपटॉप, 1 टैबलेट, वाई-फाई राउटर, डोंगल,

कई सिम कार्ड, विदेशी मुद्रा (नायरा 1800) तथा अलग-अलग नामों के पासपोर्ट व अन्य फर्जी दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

ऐसे देता था ठगी को अंजाम

आरोपी मैट्रिमोनियल साइट्स और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से महिलाओं से संपर्क करता था और खुद को विदेशी बिजनेसमैन बताकर विश्वास जीतता था। इसके बाद शादी का झांसा देकर महंगे गिफ्ट या पार्सल भेजने की बात करता और कस्टम चार्ज, टैक्स या अन्य बहानों से पैसे ठग लेता था।

करोड़ों की ठगी का खुलासा

जांच में सामने आया है कि आरोपी ने इसी तरीके से दो मामलों में करीब 1

करोड़ 82 लाख रुपये से अधिक की ऑनलाइन ठगी को अंजाम दिया है।

पुलिस की अपील

नोएडा साइबर पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया और मैट्रिमोनियल साइट्स पर अनजान लोगों से सावधानी बरतें और किसी भी प्रकार के लालच या झांसे में आकर पैसे न भेजें।

एसएपीडी छात्रों का शैक्षणिक भ्रमण बना सीख और अनुभव का संगम

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर, प्लानिंग एंड डिजाइन (एसएपीडी) के छात्रों का हाल ही में आयोजित शैक्षणिक भ्रमण ज्ञान और अनुभव का एक अनूठा संगम बनकर सामने आया। जयपुर, अजमेर और पुष्कर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत से रूबरू होते हुए छात्रों ने कक्षा में सीखे सिद्धांतों को वास्तविक वास्तुकला से जोडने का अवसर प्राप्त किया। इस शैक्षणिक यात्रा के दौरान छात्रों ने जयपुर के प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों-जल महल, हवा महल, आमेर किला और सिटी पैलेस–का गहन अध्ययन किया। इन स्थलों के माध्यम से उन्हें किलेबंदी की संरचना, फसाड डिजाइन और शहरी नियोजन की व्यावहारिक समझ विकसित करने का अवसर मिला। वहीं पुष्कर में ब्रह्मा सरोवर और वराह मंदिर के भ्रमण के दौरान छात्रों ने धार्मिक वास्तुकला और सांस्कृतिक परिदृश्य का अध्ययन किया। अजमेर में अजमेर दरगाह और अढ़ाई दिन का झोपड़ा ने इंडो-इस्लामिक वास्तुकला की विशेषताओं से परिचित कराया, जिससे छात्रों का ज्ञान और अधिक समृद्ध हुआ। इस दौरान छात्रों ने स्केचिंग, डॉक्यूमेंटेशन और साइट एनालिसिस जैसी गतिविधियों के जरिए अपने व्यावहारिक कौशल को निखारा। यह अनुभव न केवल उनके तकनीकी ज्ञान को सुदृढ़ करने में सहायक रहा, बल्कि वास्तुकला के प्रति उनकी समझ को भी गहराई प्रदान की। इस अवसर पर एसएपीडी की निदेशक प्रो. अंजलि कवात्रा ने बताया कि इस तरह के शैक्षणिक भ्रमण छात्रों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उन्हें वास्तविक परिस्थितियों में सीखने का अवसर प्रदान करते हैं।

जनता दर्शन में पीड़ितों की सुनवाई, मौके पर समाधान और योजनाओं का लाभ सुनिश्चित

दुर्घटना से टूटे परिवार को मिली राहत, रेड क्रॉस से 50 हजार की मदद के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कलेक्ट्रेट परिसर में गुरुवार को आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने एक बार फिर संवेदनशील प्रशासन का उदाहरण पेश किया। जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनी गईं और कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी की सक्रिय कार्यशैली के चलते जनता दर्शन आम लोगों के लिए उम्मीद का केंद्र बनता जा रहा है। जनता दर्शन में दिव्यांग, गरीब, असहाय और पीड़ित वर्ग के लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं। जिलाधिकारी ने उनकी स्थिति को देखते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल अंत्योदय राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पेंशन

और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। इसी दौरान कृष्णानगर निवासी श्रीमती परमील ने बेहद भावुक अपील करते हुए बताया कि एक सड़क दुर्घटना में उनके परिवार के कई सदस्यों-दामाद, दो नातिनों और एक पुत्र की मृत्यु हो चुकी है, जबकि दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हैं। पहले ही पति के हादसे के बाद परिवार आर्थिक रूप से टूट चुका है। उन्होंने कहा, 'अब कोई सहायता नहीं कर रहा, डीएम साहब बस अब आपका ही सहारा है। जिलाधिकारी ने पूरी संवेदनशीलता के साथ उनकी बात सुनी और तत्काल मुख्य चिकित्सा अधिकारी को रेड क्रॉस के माध्यम से 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही जिला पूर्ति अधिकारी को अंत्योदय राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड बनवाने के आदेश दिए। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री राहत कोष से भी मदद दिलाने की प्रक्रिया शुरू करने को कहा गया। जनसुनवाई के दौरान राजस्व, जीडीए, नगर निगम, विद्युत, स्वास्थ्य और निर्माण विभाग से संबंधित अनेक शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि 'जनता दर्शन' की मॉनिटरिंग सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय, उत्तर प्रदेश से लाइव कनेक्टिविटी के माध्यम से की जा रही है। जिलाधिकारी ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे प्रत्येक कार्यदिवस सुबह 10 से 12 बजे तक जन शिकायतें सुनें और ऑनलाइन माध्यम से भी जुड़े रहें।

ईद और नवरात्रि पर नगर निगम का जीरो वेस्ट पर जोर

वरिष्ठ अधिकारियों की ड्यूटी तय, नगर आयुक्त खुद कर रहे मॉनिटरिंग

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। ईद-उल-फितर और नवरात्रि महोत्सव को लेकर नगर निगम गाजियाबाद पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहा है। शहर में साफ-सफाई और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। सफाई मित्रों की टीमें ईदगाह मस्जिदों और मंदिरों के बाहर विशेष सफाई अभियान चला रही हैं, साथ ही जरूरत के अनुसार चूना और पानी का छिड़काव भी कराया जा रहा है।

नगर निगम सीमा के अंतर्गत आने वाले सभी पांचों जोनों में धार्मिक स्थलों के आसपास सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ पेयजल और प्रकाश व्यवस्था को भी बेहतर किया गया है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा इन व्यवस्थाओं की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों की ड्यूटी भी निर्धारित की गई है, जिसमें अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार को विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है।

13वीं मंजिल से कूदकर युवक ने दी जान, फ्लैट में मां का शव मिलने से सनसनी

कपिल चौहान

मृतक

सतनाम मृतक मां

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कवि नगर थाना क्षेत्र स्थित नेशनल हाईवे-9 पर बनी महागुन पुरम सोसायटी में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक 40 वर्षीय व्यक्ति ने 13वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल अवस्था में युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पहचान राजवीर के रूप में हुई है, जो विनायक टावर के ग्राउंड फ्लोर पर अपनी मां के साथ रहता था। घटना के बाद जब पुलिस टीम ने फ्लैट की तलाशी ली, तो अंदर का दृश्य और भी चौंकाने वाला था।

फ्लैट के बेड पर एक महिला का शव मिला, जिसकी पहचान राजवीर की मां के रूप में हुई है।

एसीपी कवि नगर सूर्यबली मौर्य के अनुसार, प्रारंभिक जांच में यह प्रतीत हो रहा है कि महिला का शव करीब दो दिनों से बेड पर पड़ा हुआ था। आशंका जताई जा रही है कि मां की मौत के बाद राजवीर ने यह आत्मघाती कदम उठाया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहन जांच की जा रही है। घटना के बाद सोसायटी में दहशत का माहौल बना हुआ है।

खोए मोबाइल लौटाकर गाजियाबाद पुलिस ने जीता दिल, 600 फोन बरामद कर मालिकों को सौंपे'

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। ग्रामीण जोन पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद द्वारा एक सराहनीय अभियान चलाते हुए आम नागरिकों के खोए हुए मोबाइल फोन बरामद कर उन्हें उनके वास्तविक मालिकों को वापस सौंपा गया। इस अभियान में सभी थानों के साथ-साथ साइबर सेल और सर्विलांस टीम की सक्रिय भूमिका रही। पुलिस टीमों के संयुक्त प्रयास से विभिन्न कंपनियों के कुल 600 मोबाइल फोन बरामद किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 01 करोड़ रुपये आंकी गई है। बरामद मोबाइल फोन विधिवत सत्यापन के बाद उनके स्वामियों को सौंपे गए, जिससे लोगों के चेहरे पर खुशी साफ देखी गई। मोबाइल वापस मिलने पर नागरिकों ने गाजियाबाद पुलिस का आभार जताया और इस कार्यवाही की सराहना की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि भविष्य में भी इस तरह के अभियान जारी रहेंगे, ताकि आम जनता को राहत मिल सके और उनकी संपत्ति सुरक्षित रह सके। गाजियाबाद पुलिस की इस पहल से न केवल लोगों का विश्वास मजबूत हुआ है, बल्कि पुलिस की कार्यकुशलता और प्रतिबद्धता भी सामने आई है।

बिजली चोरी पर अब 'तकनीकी शिकंजा' विजिलेंस टीमों को मिले बॉडी वॉर्न कैमरे

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जनपद में बिजली चोरी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विद्युत निगम ने अब आधुनिक तकनीक का सहारा लिया है। विजिलेंस टीमों को बॉडी वॉर्न कैमरों से लैस किया गया है, जिससे अब हर छापेमारी की कार्रवाई की वीडियो रिकॉर्डिंग अनिवार्य रूप से की जाएगी। इस नई व्यवस्था से न केवल बिजली चोरी के मामलों में ठोस साक्ष्य जुटाए जा सकेंगे, बल्कि कार्रवाई के दौरान होने वाले विवादों पर भी प्रभावी अंकुश लगेगा। फिलहाल जनपद को 10 बॉडी वॉर्न कैमरे उपलब्ध कराए गए हैं। मुख्य अभियंता नरेश कुमार भारती ने बताया कि यह व्यवस्था प्रदेश स्तर पर लागू की जा रही है, ताकि सभी जिलों में विजिलेंस की कार्रवाई पारदर्शी और एक समान तरीके से सुनिश्चित की जा सके। अब तक बिजली चोरी के मामलों में जांच के दौरान अक्सर साक्ष्यों की कमी के कारण उपभोक्ता कार्रवाई पर सवाल उठाते थे। कई बार मौके पर विजिलेंस टीम और उपभोक्ताओं के बीच विवाद की स्थिति भी बन जाती थी। लेकिन अब कैमरों के जरिए पूरी प्रक्रिया रिकॉर्ड होने से हर कार्रवाई का स्पष्ट प्रमाण उपलब्ध रहेगा, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी और विवाद की गुंजाइश कम होगी। इन कैमरों की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इनसे रिकॉर्ड होने वाली वीडियो और फोटो सीधे नोएडा स्थित सर्वर रूम में अपलोड होंगी। इससे रिकॉर्डिंग में किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ की संभावना समाप्त हो जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर इसे जांच में साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया जा सकेगा। अधिकारियों के अनुसार, अब विजिलेंस टीम जब भी किसी क्षेत्र में छापेमारी करेगी, तो टीम के सदस्य कैमरा पहनकर ही मौके पर पहुंचेंगे।

शिक्षा के नाम पर 'किताब कारोबार'! अभिभावकों पर बोझ, पर्यावरण पर वार – जीपीए का प्रशासन को अल्टीमेटम

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन (GPA) ने शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त अनियमितताओं और स्कूलों की मनमानी के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी (CDO) को संबोधित एक चेतावनी भरा ज्ञापन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को सौंपा है।

ज्ञापन में हर साल स्कूलों द्वारा किताबें बदलने की 'व्यापारिक नीति' पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई है। जीपीए के सचिव अनिल सिंह ने स्पष्ट रूप से कहा कि शासन-प्रशासन व शिक्षा विभाग सभी स्कूलों को निर्देश जारी करे कि पठन-पाठन की पुस्तकों को कम से कम 5 वर्षों तक अनिवार्य रूप से लागू रखा जाए।

अभिभावकों पर बढ़ता आर्थिक बोझ

जीपीए ने आरोप लगाया कि स्कूलों और प्रकाशकों की मिलीभगत से हर साल नई किताबें लागू की जाती हैं, जिससे उन्हें भारी मुनाफा होता है। इसका सीधा असर अभिभावकों पर पड़ता है, जिन्हें हर वर्ष हजारों रुपये अतिरिक्त खर्च करने पड़ते हैं—खासतौर पर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह गंभीर समस्या बन गई है।

पर्यावरण पर गहरा असर

ज्ञापन में यह भी बताया गया कि नई किताबों की छपाई के लिए हर साल बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई हो रही है। पुरानी किताबों को 'रद्दी' घोषित करना न केवल संसाधनों की बबार्दी है, बल्कि पर्यावरण के प्रति अपराध भी है।

एक पाठ्यक्रम - 5 वर्ष' नियम की मांग

जीपीए ने प्रशासन से मांग की है कि 'एक पाठ्यक्रम – 5 वर्ष' का नियम लागू किया जाए। साथ ही बिना ठोस कारण किताबें बदलने वाले स्कूलों पर 'पर्यावरण क्षति शुल्क' लगाने की भी मांग रखी गई है।

विरोध का अल्टीमेटम

एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन द्वारा जल्द ही इस मनमानी पर रोक लगाने के लिए कोई ठोस आदेश जारी नहीं किया गया, तो अभिभावक सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

अधिकारियों का आश्वासन

जीपीए के आरटीई प्रभारी धर्मेंद्र यादव द्वारा ज्ञापन सौंपे जाने पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने आश्वासन दिया कि इस गंभीर विषय पर विभाग द्वारा जल्द ही स्कूलों को आवश्यक निर्देश जारी किए जाएंगे, जिससे पर्यावरण संरक्षण और अभिभावकों के हितों की रक्षा हो सके।

वेव सिटी पुलिस की बड़ी सफलता: लूट कांड का खुलासा, मुठभेड़ में वांछित अभियुक्त घायल

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना वेव सिटी क्षेत्र में 04 मार्च 2026 को डीएमई पर हुई लूट की घटना का पुलिस ने सफल अनावरण करते हुए एक और वांछित अभियुक्त को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। इस घटना में बदमाशों द्वारा एक नेक्सोन कार व मोबाइल फोन लूट लिया गया था, जिसके संबंध में थाना वेव सिटी पर मुकदमा संख्या 62/26 पंजीकृत किया गया था।

घटना के खुलासे के लिए गठित पुलिस टीमों ने 07 मार्च को दो अभियुक्तों राज व दर्शन को गिरफ्तार कर लिया था, जबकि अन्य फरार अभियुक्तों की तलाश जारी थी। इसी क्रम में वांछित अभियुक्त लव की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि अभियुक्त लव 18 मार्च को गिरधरपुर की ओर से अपने घर जाने वाला है। सूचना पर तत्परता दिखाते हुए पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर चेकिंग अभियान चलाया। नायफल से डासना मार्ग पर चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध बाइक सवार को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन वह भागने लगा।

भागते समय बारिश के कारण बाइक फिसल गई। पुलिस टीम को नजदीक आता देख अभियुक्त ने जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने आत्मरक्षा करते हुए गोली चलाई, जिससे अभियुक्त के पैर में गोली लग गई और वह घायल हो गया।

पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वह उक्त लूट की घटना के अलावा डासना क्षेत्र में चोरी सहित कई अन्य वारदातों में भी शामिल रहा है। उसके विरुद्ध एक दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं।

पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से हापुड़ से चोरी की गई स्प्लेंडर मोटरसाइकिल, एक अवैध तमंचा, जिंदा कारतूस व खोखा कारतूस बरामद किया है। घायल अभियुक्त को उपचार के लिए सीएचसी भेजा गया है।

जल्द ही मिलेगा गंगा जल गौर सिद्धार्थम, सिद्धार्थ विहार में: विधायक संजीव शर्मा

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। शहर विधायक संजीव शर्मा जी ने सिद्धार्थ विहार स्थित गौर सिद्धार्थम सोसाइटी के हजारों निवासियों की पेयजल समस्या को लेकर बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने जिलाधिकारी महोदय गाजियाबाद से आज निवास पर मुलाकात कर सोसाइटी में गंगा जल आपूर्ति शीघ्र शुरू कराने की मांग की है।

गौरतलब है कि सोसाइटी में करीब 2400 से अधिक परिवार और 10,000 से ज्यादा लोग निवास करते हैं, जो लंबे समय से खराब पेयजल की समस्या से जूझ रहे हैं। यहां पानी का टीडीएस स्तर लगभग 2500 होने के कारण यह स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बना हुआ है।

विधायक ने स्पष्ट किया कि सिद्धार्थ विहार गंगनहर के पास स्थित है, जिससे यहां गंगाजल की आपूर्ति करना संभव है, लेकिन अब तक सोसाइटी को गंगा जल सप्लाई से नहीं जोड़ा गया है। उन्होंने मांग की है कि तुरंत कार्रवाई करते हुए सोसाइटी को गंगा जल लाइन से जोड़ा जाए, ताकि हजारों लोगों को राहत मिल सके।

मीडिया प्रभारी अजय चोपड़ा ने कहा कि यह जनता से जुड़ा बड़ा मुद्दा है और विधायक संजीव शर्मा लगातार इसके समाधान के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि जल्द ही क्षेत्रवासियों को स्वच्छ गंगाजल उपलब्ध होगा और यह समस्या समाप्त होगी। उन्होंने कहा कि जनता की हर समस्या को प्राथमिकता के आधार पर उठाना और उसका समाधान कराना ही विधायक जी का संकल्प है।

इस अवसर सोसाइटी से राम बाबू शर्मा, पार्षद संतोष राणा,प्रमोद गर्ग, अमित सिंह,रवि गुप्ता, रविकांत,मोहर सिंह, रवि गुप्ता, शिवकुमार सहित अनेक प्रबुद्ध व्यक्ति मौजूद रहे।

डीएम को सौंपा ज्ञापन, गृहकर के खिलाफ व्यापार मण्डल का ऐलान

आधी दाढ़ी-आधी मूंछ मुंडवाकर आंदोलन करेंगे: अवधेश शर्मा

अरुण मिश्रा

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। शहर के वासियों पर थोपे गए बेतहाशा गृहकर (हाउस टैक्स) और नगर निगम अधिकारियों के अड़ियल रवैये के खिलाफ गाजियाबाद उद्योग व्यापार मण्डल ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। गुरुवार को मण्डल के अध्यक्ष अवधेश शर्मा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों की विफलता और निगम अधिकारियों की मनमानी पर कड़ा प्रहार किया गया।

अवधेश शर्मा ने कहा कि नगर निगम की बोर्ड बैठक में गृहकर वृद्धि के प्रस्ताव को निरस्त हुए 9 महीने बीत चुके हैं, लेकिन जनप्रतिनिधि इसे लागू करवाने में पूरी तरह विफल रहे हैं। उन्होंने इसे जनता के साथ विश्वासघात बताते हुए कहा कि आज तक 'मिनट्स' सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 18 अप्रैल तक बढ़ी हुई टैक्स दरें वापस नहीं ली गईं, तो वे आधी दाढ़ी और आधी मूंछ मुंडवाकर अनूठा सत्याग्रह शुरू करेंगे और गली-गली जाकर जन-जागरण अभियान चलाएंगे।

गाजियाबाद सिटी वेलफेयर फेडरेशन के अध्यक्ष आर.के. गर्ग ने भी इस आंदोलन का समर्थन करते हुए कहा कि वे अवधेश शर्मा के साथ खड़े हैं और जनहित में इस लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ाया जाएगा।

ज्ञापन सौंपने के दौरान आर.के. गर्ग, गौरव बंसल, दिनेश शर्मा, जयप्रकाश, आर.के. गोयल, कपिल सक्सेना, संजीव गुप्ता, सोनवीर तेवतिया, प्रीतपाल खोसला, विकल चौधरी, राजेश भारद्वाज, मनोज गौर, संतोष शर्मा, प्रीतम लाल, राजीव अग्रवाल सहित अनेक व्यापारी एवं पदाधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पुलिस ने लूट की झूठी सूचना देकर पैसे हड़पने की साजिश रचने वाले तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

अरुण मिश्रा

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद के मोदीनगर थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां पुलिस ने लूट की झूठी सूचना देकर खुद ही पैसे हड़पने की साजिश रचने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दरअसल, 17 मार्च 2026 की रात करीब 9:15 बजे डायल-112 पर सूचना दी गई कि हापुड़ रोड स्थित बखरवा गेट के पास कार सवार तीन लोगों से दो बाइक सवार बदमाशों ने 30 लाख रुपये लूट लिए। सूचना मिलते ही मोदीनगर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को मामला संदिग्ध लगा, जिसके बाद गहन पड़ताल की गई।

जांच में खुलासा हुआ कि यह पूरी लूट की कहानी झूठी थी और इसे खुद कार सवार तीनों व्यक्तियों ने मिलकर रचा था।

550 साल पुराने मंदिर में उमड़ी आस्था की लहर: नवरात्रि में 'माता का खजाना' पाने उमड़े हजारों भक्त

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर देशभर के मंदिरों में भक्ति और श्रद्धा का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। इसी कड़ी में गाजियाबाद के दिल्ली गेट स्थित प्राचीन देवी बाला सुंदरी चतुर्भुजी मंदिर इन दिनों आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है, जहां भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है।

करीब 550 वर्ष पुराने इस मंदिर में नवरात्रि के नौ दिनों के दौरान विशेष सजावट की गई है, जिससे पूरा परिसर दुल्हन की तरह सजा नजर आ रहा है। मंदिर के समीप ही भगवान शिव का प्रसिद्ध सिद्धपीठ दूधेश्वर नाथ मंदिर भी स्थित है, जहां श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।

मंदिर में सुबह से शाम तक भक्तों का तांता लगा हुआ है। दिल्ली-एनसीआर के अलावा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से सैकड़ों श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। यहां माता रानी बाल रूप में विराजमान हैं, जो भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र हैं।

मंदिर से जुड़ी एक विशेष मान्यता के अनुसार, नवरात्रि के दौरान माता रानी का 'खजाना' भक्तों में वितरित किया जाता है। माना जाता है कि जो श्रद्धालु इस खजाने को अपने घर ले जाता है, उसके जीवन में सुख-समृद्धि आती है और कष्ट दूर होते हैं।

मंदिर के महंत गिरीश आनंद के अनुसार, नवरात्रि के नौ दिनों तक यहां शतचंडी यज्ञ का आयोजन किया जाता है, जिसमें कोई भी श्रद्धालु शामिल हो सकता है। अष्टमी के दिन भव्य पंखा शोभा यात्रा निकाली जाती है, जबकि रात में माता का खजाना बांटा जाता है।

अष्टमी की देर रात मंदिर परिसर के बाहर भारी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित होते हैं। मान्यता है कि इस खजाने को प्राप्त करने के लिए भक्तों में विशेष उत्साह देखने को मिलता है, जिसे स्थानीय लोग 'माता का खजाना लूटना' भी कहते हैं।

नवरात्रि के इस पावन अवसर पर मंदिर में उमड़ रही भीड़ और श्रद्धा का माहौल, गाजियाबाद को भक्ति और आस्था के रंग में रंगता नजर आ रहा है।

सर्व साधारण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन सं0 जे–107, पटेल नगर–।।। पिन सं0–सीसी–41765, गाजियाबाद नगर निगम के सम्पत्तिकर अभिलेखों में दर्ज नाम श्री दौलत राम ठाकुर के स्थान पर श्री/श्रीमती सुनील सिंह ठाकुर पुत्र दौलत राम ठाकुर द्वारा अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु दर्ज गृह स्वामी/स्वामिनी का मृत्यु प्रमाण–पत्र व शपथ–पत्र, पहचान–पत्र, पारिवारिक सदस्यता सूची, अन्य वारिसानों का अनापत्ति शपथ–पत्र एवं निर्धारित शुल्क जमा करने के साथ प्रार्थना–पत्र प्रस्तुत किया है।

आवेदक/आवेदकगण के प्रार्थना–पत्र व संलग्न साक्ष्यों के आधार पर भवन सं0 जे–107, पटेल नगर–।।। सम्पत्ति पिन सं0–सीसी–41765 पर नाम परिवर्तन किये जाने हेतु नियमानुसार नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 213 की नोटिसें दिनांक 09 मार्च 2026 को जारी की जा चुकी हैं। यदि किसी भी व्यक्ति को उपरोक्तानुसार प्रस्तावित नाम परिवर्तन पर कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि के 15 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति प्रमाणित साक्ष्यों के साथ लिखित रूप से जोनल कार्यालय सिटी जोन, गाजियाबाद नगर निगम को प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि में आपत्ति प्राप्त न होने पर आवेदक/आवेदकगण श्रीमती सुनील सिंह ठाकुर पुत्र दौलत राम ठाकुर भवन सं0 जे–107,, पटेल नगर–।।। पिन सं0–सीसी–41765 पर अंकित कर जायेगा। निर्धारित समयसवधि के पश्चात प्राप्त आपित्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

कर अधीक्षक, सिटी जोन, नगर निगम गाजियाबाद